E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 131 | प्रयागराज, गुरूवार 03 सितम्बर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका का ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला,ईरान का जॉर्डन-बहरीन में जवाबी अटैक

ट्रम्प बोले- कॉम्प्रोमाइज़ की जरूरत नहीं, होर्मुज पर हमारा पूरा नियंत्रण

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक लहर पूरी की है। इनमें एयर डिफेंस साइट्स, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने, माइन बिछाने की क्षमता और कम्युनिकेशन साइट्स शामिल हैं। इसके जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले का दावा किया है। कुवैत में भी ईरानी ड्रोन हमलों के बीच एयर डिफेंस सक्रिय की गई है, जबकि जॉर्डन ने 13 ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने का दावा किया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिका का होर्मुज स्ट्रेट पर लगभग पूरा कंट्रोल है और ईरान की अर्थव्यवस्था ढह रही है। वहीं ईरान ने दावा किया है कि

खुजस्तान प्रांत में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 घायल हुए हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना के मुताबिक, अमेरिका ने प्रांत में 3 जगहों को निशाना बनाया। रूस कथित तौर पर ईरान को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने की तकनीक गुप्त रूप से दे रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच यह सीक्रेट प्रोग्राम 2023 से चल रहा है। इसका मकसद ईरान को ऐसी तकनीक विकसित करने में मदद करना है, जिससे क्रूज मिसाइलें आवाज की गति से कई गुना तेज उड़ सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोग्राम का कोडनेम सी430एल है। इसमें रूस के अनुभवी मिसाइल विशेषज्ञ शामिल हैं। रूस ईरान को रैमजेट प्रोपल्शन सिस्टम विकसित करने में मदद कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान रैमजेट सिस्टम बना चुका है और इसका फ्लाइट टेस्ट भी कर चुका है। हालांकि, अभी ऐसा कोई सबूत नहीं है कि रूस की मदद से बनी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ईरान ने तैनात कर दी है। इस तकनीक का इस्तेमाल एंटी-शिप और जमीन पर हमला करने वाली क्रूज मिसाइलों में किया जा सकता है। तेज रफ्तार और कम ऊंचाई पर उड़ने की क्षमता के कारण ऐसी मिसाइलों को एयर डिफेंस सिस्टम के लिए रोकना मुश्किल हो सकता है। ईरान का दावा- जॉर्डन में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे- ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमले में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज किया है।

नेपाल बाढ़ में अब तक 1127 लोग हताहत,4800 से ज्यादा की तलाश जारी

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ के एक हफ्ते बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। आपदा में लापता लोगों की तलाश के बावजूद कई परिवारों को अपने परिजनों की कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। कई इलाकों में कीचड़ और मलबा जमा होने से राहत कार्य मुश्किल बना हुआ है। 26 अगस्त को आई बाढ़ के बाद अब तक 1127 शव बरामद किए गए हैं, इनमें से 9 शव भारत में मिले हैं। करीब 4800 लोग अभी भी लापता हैं। इनमें 500 विदेशी नागरिक हैं। नेपाल में सड़क और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कई चीनी नागरिक लापता हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, नेपाल में करीब 100 चीनी नागरिकों का अब तक पता नहीं चला है। नेपाल और चीन के प्रभावित परिवारों की मांग है कि उनके परिजनों की सही और स्पष्ट जानकारी दी जाए। एक नेपाली लड़की ने बताया कि इस आपदा में उसने अपने परिवार के 17 सदस्यों को खो दिया। बाढ़ प्रभावित बिदुर में विस्थापित परिवार अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं, लेकिन उन्हें अब भी

दोबारा बाढ़ आने का डर सता रहा है। भोटेकोशी में आई बाढ़ के बाद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इनमें सबसे ज्यादा 348 शव चितवन से मिले हैं। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक 1127 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4800 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। बचाव और खोज अभियान जारी है। राहतकर्मी और सुरक्षा बल बाढ़ प्रभावित इलाकों तथा नदी के निचले हिस्सों में लगातार तलाश कर रहे हैं। नेपाल के लिए भारत ने भेजी पांचवीं राहत उड़ानः- नेपाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों के लिए भारत ने अपनी पांचवीं सहायता उड़ान रवाना की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इस विमान में 11 सदस्यीय विशेष रेस्क्यू टीम, अत्याधुनिक बचाव उपकरण और 5.5 टन आवश्यक दवाइयां भेजी गई हैं। इससे पहले भारत चार राहत उड़ानों के जरिए नेपाल को करीब 68.5 टन राहत सामग्री भेज चुका है। इनमें दवाइयां, खाद्य सामग्री, कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, हाइजीन किट, और अन्य जरूरी राहत सामग्री शामिल हैं।

अमेरिकी रेस्क्यू टीम नेपाल पहुंचीः- अमेरिका की क्राइसिस रिस्पॉन्स इंटरनेशनल (सीआरआई) की 13 सदस्यीय टीम नेपाल पहुंच गई है। यह टीम रसुवा जिले के चिलिमे क्षेत्र में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंगों में लापता लोगों की खोज में मदद करेगी। टीम खास उपकरणों की मदद से सुरंगों के अंदर फंसे लोगों की आवाज या किसी भी तरह की हलचल का पता लगाने की कोशिश करेगी।

रिपोर्ट-पुतिन को जंग खत्म करने पर सत्ता जाने का डर,इसके बिना लड़ाई रोकी तो उन्हें फांसी पर लटका दिया जाएगा

मॉस्को। एक्सपर्ट्स का मानना हैं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को डर है कि

अगर उन्होंने पूरा डोनबास अपने कब्जे में लिए बिना यूक्रेन युद्ध खत्म कर दिया, तो रूस के ताकतवर लोगों में उनके खिलाफ नाराजगी बढ़ सकती है। इससे उनकी सत्ता पर भी खतरा आ सकता है। द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन को लगता है कि अपनी बड़ी मांगें पूरी किए बिना यूक्रेन युद्ध खत्म करना रूस में उनकी कमजोरी मानी जाएगी। क्रेमलिन के एक करीबी सूत्र ने बताया कि युद्ध खत्म करने के नतीजों पर बात करते हुए पुतिन ने एक बार कहा था, 'वे मुझे फांसी पर लटका देंगे।' पुतिन का मानना है कि अगर रूस का नेता कमजोर दिखता है तो उसके लिए सत्ता में बने रहना मुश्किल हो सकता है। यही वजह है कि वह युद्ध खत्म करने के लिए बड़े समझौते करने से बच रहे हैं। यूक्रेन के डोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्रों को मिलाकर डोनबास कहा जाता है। रूस का डोनबास के करीब 90फीसदी हिस्से पर कंट्रोल है। पुतिन के सामने अब क्या रास्ता है? रिपोर्ट के मुताबिक, पांच साल से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध ने पुतिन के लिए स्थिति मुश्किल कर दी है। युद्ध जारी रखने पर यूक्रेन रूस के तेल और ऊर्जा ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। इससे रूस का खर्च लगातार बढ़ रहा है। युद्ध रोकना भी पुतिन के लिए आसान नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें आम लोगों की नाराजगी से ज्यादा चिंता रूस के उन ताकतवर लोगों की है, जिनके पास पैसा, हथियार और सत्ता तक पहुंच है। एस्टोनियाई खुफिया प्रमुख रोसिन के मुताबिक, इन लोगों के बीच अब पहले की तरह रूस की पूरी जीत की बात नहीं हो रही है। इसके बजाय वे यह सोच रहे हैं कि इस युद्ध को सही तरीके से कैसे खत्म किया जाए। पांच साल की जंग के बाद लोगों की नाराजगी बढ़ी-द इकोनॉमिस्ट के मुताबिक, **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका ने ईरान में शादी समारोह में किया हमला, 5 की मौत-68 घायल, ईरान का जॉर्डन-बहरीन में जवाबी हमला

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। अमेरिका ने ईरान पर 3 दिन में दूसरी बार हमला किया है।

अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान के मुताबिक सिरिक में एक शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिराए गिए। इसमें 5 लोगों की मौत हुई जबकि 68 लोग घायल हो गए। मेहर न्यूज के मुताबिक मरने वालों में 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घायल बच्चे अस्पताल में इलाज कराते दिख रहे हैं। वहीं, खुजस्तान प्रांत पर हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए। हालांकि अमेरिका का दावा है कि उन्होंने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। इसमें कई लोगों मारे गए हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन थाईलैंड पहुंचा-अमेरिकी नौसेना का विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन बुधवार को थाईलैंड पहुंचा। यह युद्धपोत 200 दिनों से ज्यादा समय तक लगातार समुद्र में रहने के बाद पांच दिन के आराम के लिए यहां रुका है। इस पोत पर करीब 5,000 सैनिक और कर्मचारी तैनात हैं। यह पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े मिशन पर था। लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण जहाज पर तैनात लोगों को किसी बंदरगाह पर रुकने का मौका नहीं मिला। इसी वजह से उनके मानसिक स्वास्थ्य और रहने की परिस्थितियों को लेकर भी चिंता जताई गई है।ईरान का दावा- खुजस्तान में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 की मौत-ईरान ने दावा किया है कि खुजस्तान प्रांत में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 की मौत हो गई, जबकि 8 घायल हुए हैं।ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना के मुताबिक, अमेरिका ने प्रांत में 3 जगहों को निशाना बनाया।

ट्रम्प ने बोइंग डील के लिए बांग्लादेश को कहा शुक्रिया, पीएम से बोले- ये प्लेन आपको निराश नहीं करेंगे, मैं भी याद रखूंगा

वॉशिंगटन डीसी/ढाका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारीक रहमान को पत्र लिखकर बोइंग विमान खरीदने के फैसले के लिए धन्यवाद दिया है। बांग्लादेश पीएम तारिक रहमान के नाम से 31 अगस्त को लिखी इस चिट्ठी में ट्रम्प ने लिखा-'प्रिय प्रधानमंत्री, मुझे बोइंग विमान खरीदने से संबंधित आपकी चिट्ठी मिली। मैं इस फैसले की बहुत तारीफ करता हूं। बोइंग आपको निराश नहीं करेगा और मैं भी इसे नहीं भूलूंगा। मैं आपसे मिलने का इंतजार कर रहा हूं।' अमेरिका से 25 बोइंग प्लेन खरीदने की तैयारी में बांग्लादेशः-बांग्लादेश के पास अभी 14 बोइंग प्लेन हैं। बांग्लादेश ने अप्रैल 2026 में 14 नए बोइंग विमान का ऑर्डर भी दिया था। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने 30 अगस्त को बताया था कि ट्रम्प और रहमान के बीच बोइंग विमानों को लेकर बड़ी डील हुई है। इसके तहत बांग्लादेश 25 बोइंग विमान खरीदने की तैयारी में है। अमेरिकी टैरिफ से राहत पाने के लिए डील हुई- बांग्लादेश की बोइंग खरीद सिर्फ अपनी एयरलाइन का बेड़ा बढ़ाने की योजना नहीं है। इसका एक बड़ा मकसद अमेरिका के साथ व्यापार घाटा कम करना और अमेरिकी टैरिफ में राहत पाना भी है। इसी वजह से बोइंग विमान खरीदने का मुद्दा दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों से भी जुड़ गया है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

5000 अमेरिकी सैनिक थाईलैंड पहुंचे, 5 दिन छुट्टियां मनाएंगे, 9 महीने से अब्राहम लिंकन पर तैनाती, देह व्यापार वाले इलाकों में जाने पर रोक

बैंकॉक। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन बुधवार सुबह थाईलैंड पहुंच गया है। इस एयरक्राफ्ट पर पिछले 9 महीनों से 5 हजार सैनिक तैनात हैं। लंबे सैन्य अभियान के बाद अब

उन्हें पटाया में करीब 5 दिन की छुट्टी मिलेगी। यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ अमेरिकी नौसेना के दो और जहाज भी पहुंचे हैं। लाम चाबांग पोर्ट पर उतरने के बाद सैनिकों को बसों से करीब 96 किमी दूर पटाया ले जाया जाएगा। हालांकि पटाया पहुंचने से पहले ही थाई पुलिस ने शहर में देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, पुलिस ने पिछले वीकेंड में छापेमारी कर 40 से 50 लोगों को हिरासत में लिया। शहर के समुद्र तट और नाइटलाइफ वाले इलाकों में गश्त भी बढ़ा दी गई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने में जुटी पुलिस- पटाया में अमेरिकी नौसेना के बड़ी संख्या में जवानों और मरीन के आने से पहले पुलिस ने शहर में छापेमारी और जांच बढ़ा दी है। बार, समुद्र तट और दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों पर पुलिस खास नजर रख रही है। इसी दौरान पब्लिक प्लेस पर ग्राहकों की तलाश करने के आरोप में कम से कम 25 महिलाओं को हिरासत में लिया गया। इनमें थाईलैंड के साथ लाओस और युगांडा की महिलाएं भी शामिल थीं। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक, अलग-अलग कार्रवाइयों में 40 से 50 लोगों को पकड़ा गया है। पुलिस का कहना है कि अमेरिकी जवानों के आने से पहले शहर में गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। अमेरिकी सैनिकों पर सोई 6 इलाके में जाने पर रोक-अमेरिकी सैनिकों को पटाया की नाइटलाइफ़ वाली जगहों पर जाने की अनुमति है, लेकिन थाई अधिकारियों ने उनके लिए कुछ खास पाबंदियां लगाई हैं। उन्हें ड्रग्स और गांजा बेचने वाली दुकानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। साथ ही देर रात तक बार और मनोरंजन वाली जगहों पर रुकने से भी बचने को कहा गया है।

अमेरिकी सैनिकों के लिए सोई 6 में जाने पर भी रोक लगा दी गई है। यह पटाया का एक मशहूर इलाका है, जो खास तौर पर बार और नाइटलाइफ के लिए जाना जाता है। यहां कई एडल्ट एंटरटेनमेंट वाले बार हैं। शाम होते ही इस इलाके में काफी चहल-पहल बढ़ जाती है और बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। इसके अलावा कैनाबिस की दुकानों, पैरागलाइडिंग और जेट-स्की जैसी गतिविधियों पर भी रोक लगाई गई है। थाई पुलिस ने अमेरिकी सैनिकों को यह भी याद दिलाया है कि देश में वेश्यावृत्ति कानूनन प्रतिबंधित है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन बैन, रु5 में जमा कर सकतें हैं फोन, परिसर में सेल्फी/रील पर पांबदी, वीआईपी पर भी लागू होंगे नियम

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल

करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीआईपी, बड़ी हस्तियों और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी। हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स (एचआर एंड सीई) मंत्री रमेश ने यह जानकारी दी। फोटो-वीडियो और रील बनाने पर रोक-यह फैसला 2 दिसंबर 2022 को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश के आधार पर जारी किए गए हैं। मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं, खासकर युवाओं द्वारा फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने को लेकर लगातार चिंताएं जताई जा रही थीं। मंत्री ने कहा कि जिन मोबाइल फोन में कैमरा नहीं है, उन्हें मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। नए नियम का उद्देश्य मंदिरों की पवित्रता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना है। कांचीपुरम के प्रसिद्ध देवराजस्वामी-अथि वरदार मंदिर में मंगलवार सुबह 6 बजे से यह व्यवस्था शुरू कर दी गई। यहां फोन जमा करने के लिए दो कंप्यूटर ऑपरेटर और दो कर्मचारी तैनात किए गए हैं। हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था- हाईकोर्ट ने तिरुचेंदूर के अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था। इससे पहले भी मंदिरों को मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। वीआईपी लोगों पर भी यही नियम लागू-मंदिर अधिकारियों को प्रवेश द्वार और मंदिर परिसर के बाहर मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। लाउडस्पीकर के जरिए भी श्रद्धालुओं को इस नियम की जानकारी देने को कहा गया है। एचआर एंड सीई विभाग ने मंदिर परिसर में देवी-देवताओं की फोटो खींचने, वीडियो बनाने और धार्मिक अनुष्ठानों की रिकॉर्डिंग पर भी रोक लगाई है।

नाबालिग पत्नी से संबंध बनाना पॉक्सो के तहत अपराध, केरल हाईकोर्ट बोला- मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर आरोपी बच नहीं सकता

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने 17 साल की लड़की से रेप के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा

कि नाबालिग से शादी करना आरोपी को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचा सकता। जस्टिस जोबिन सेबेस्टियन ने 19 अगस्त 2026 के आदेश में यह फैसला सुनाया। आरोपी ने कोर्ट में दावा किया था कि नाबालिग लड़की उसकी कानूनी पत्नी है और दोनों की शादी मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 375 और पॉक्सो एक्ट, 2012 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने शादी का हवाला देते हुए केस खत्म करने की मांग की थी। कोर्ट बोला- नाबालिग से शादी, पॉक्सो में अपराध, 4 बड़ी बातें-पॉक्सो में 18 साल से कम उम्र का व्यक्ति बच्चा है। इसलिए 17 साल की लड़की से यौन संबंध पर पॉक्सो लागू होगा। शादी मुस्लिम रीति-रिवाज या पर्सनल लॉ के तहत हुई हो, फिर भी आरोपी की जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। लड़की नाबालिग थी, इसलिए पॉक्सो के नियम लागू होंगे। लड़की आरोपी की पत्नी थी या नहीं और शादी वैध थी या नहीं, इससे पॉक्सो के तहत अपराध पर कोई असर नहीं पड़ता। शुरुआती तौर पर आरोप पॉक्सो के तहत कार्रवाई के लिए पर्याप्त हैं। इसलिए कोर्ट ने केस रद्द करने से इनकार कर दिया। अक्टूबर 2021 में लड़की को घर ले जाने का आरोप-बार एंड बेंच के मुताबिक, आरोपी 23 अक्टूबर 2021 को नाबालिग लड़की को अपने घर ले गया था। आरोप है कि उसने उसी रात और अगले 4 दिनों तक लड़की से जबरन संबंध बनाए। आरोप है कि आरोपी के माता-पिता ने भी इसमें उसकी मदद की। बाद में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज हुआ और उसने केस रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। आरोपी का कहना था कि उसने 23 जुलाई 2021 को लड़की से शादी की थी। उस समय लड़की 17 साल 1 महीने की थी। उसने दावा किया कि शादी इस्लामी रीति-रिवाज से दोनों परिवारों की मौजूदगी में हुई थी। शादी की वैधता का फैसला ट्रायल में होगा-कोर्ट ने कहा कि शादी होने का दावा साबित करने वाला कोई दस्तावेजी सबूत मौजूद नहीं है। शादी वैध थी या नहीं, इसका फैसला ट्रायल के दौरान किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि आरोपों और सबूतों के आधार पर अपराध सामने आते हैं। इसलिए एफआईआर, फाइनल रिपोर्ट और आगे की आपराधिक कार्यवाही रद्द नहीं की जा सकती। हाईकोर्ट ने आरोपी की याचिका खारिज कर दी। आरोपी की ओर से एडवोकेट सनी मैथ्यू और अनूज जे पेश हुए। नाबालिग पीड़िता की ओर से एडवोकेट पी जयराम ने पैरवी की। राज्य की ओर से सीनियर पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नवास वीए पेश हुए।

डीएम ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण,मौके पर परखी राहत व्यवस्थाएं, ग्रामीणों से संवाद कर जाना हाल

राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर अमांवा के लोधीपुर गांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित

अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेल्टर होम में रह रहे सभी प्रभावित परिवारों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जाएं, राहत शिविर में रह रहे किसी भी परिवार को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि प्रभावित गांवों की स्थिति पर लगातार नजर रखें और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। ग्रामीणों को भी जलभराव के दौरान सावधानी बरतने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्रोका ने तहसील महराजगंज व तहसील सदर के अंतर्गत जलभराव से प्रभावित गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। तहसील मराजगंज के अन्तर्गत कोडरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया तथा जलभराव के कारण उत्पन्न समस्याओं एवं उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात शिवगढ़ ड्रेन का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने तहसील सदर के विकासखंड

ग्रामीण बैंकिंग को डिजिटल विस्तार की नई उड़ानःयादव एस. ठाकुर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं उपलब्ध

पात्र ग्रामीणों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री यादव एस. ठाकुर ने सलोन तहसील अंतर्गत रायबरेली जिले की करहिया बाजार शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री ठाकुर ने कहा कि समामेलन के बाद उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक प्रदेश में सर्वाधिक शाखाओं वाला बैंक बनकर अस्तित्व में आया है। बैंक प्रदेश के सभी जिलों, कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने तथा बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने गरीबी उन्मूलन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं तथा अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ आधुनिक तकनीक के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को अधिक सरल, तेज, पारदर्शी एवं ग्राहक-केंद्रित बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सिद्धार्थ वर्मा, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री डी.के. बहेरा, शाखा प्रबंधक श्री अभिषेक सिंह, श्री के.पी. श्रीवास्तव, श्री राजन कुमार, श्रीमती जूही सिंह सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हल्दौनी गांव की मासूम बच्ची हत्याकांड के पीड़ित परिवार को अखिलेश यादव ने दी आर्थिक सहायता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव में छह वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण एवं निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना के पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर दुख की इस घड़ी में समाजवादी पार्टी की ओर से संवेदना एवं सहयोग व्यक्त किया है। ज्ञात हो कि ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव में दिनांक 28 अगस्त 2026 को छह वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण के बाद उसकी निर्मम हत्या की दर्दनाक घटना सामने आई थी। इस हृदयविदारक घटना से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। मामले के मुख्य आरोपी के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने की जानकारी भी सामने आई है। घटना की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका दुख साझा किया और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के नेताओं द्वारा इस दुखद घटना एवं पीड़ित परिवार की स्थिति से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अवगत कराया गया। पीड़ित परिवार की असहनीय पीड़ा और आर्थिक स्थिति को देखते हुए माननीय श्री अखिलेश यादव ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। पीड़ित परिवार ने इस सहयोग के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा किः- 'हल्दौनी गांव की मासूम बच्ची के साथ हुई यह घटना अत्यंत दुखद, पीड़ादायक और मानवता को शर्मसार करने वाली है। पीड़ित परिवार ने अपनी बेटी को खोया है, जिसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी ने इस दुखद घटना को गंभीरता से लिया और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। समाजवादी पार्टी इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।'पूर्व अध्यक्ष वीर सिंह यादव एवं समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी ने संयुक्त रूप से कहा किः- 'एक मासूम बच्ची की निर्मम हत्या अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और हृदयविदारक घटना है। पीड़ित परिवार को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसकी भरपाई किसी भी प्रकार से संभव नहीं है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी ने पीड़ित परिवार की पीड़ा को समझते हुए उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहयोग दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के प्रति समाजवादी पार्टी की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' कुंवर नादिरशाह लगातार इस आंदोलन में अपनी टीम के साथ संघर्ष करते रहे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने मे अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने एवं सहयोग के लिए उपस्थित प्रमुख लोगों में डॉ. आश्रय गुप्ता, सुधीर भाटी, वीर सिंह यादव, कुंवर नादिर शाह, बबलू चौहान, विकास यादव, यूनुस प्रधान, मोहम्मद नौशाद, राहुल अवाना अच्छे मियां, अफसार, दानिश, दिनेश अवाना, गुड्डू चौधरी, हाजी कय्यूम, हाजी हनीफ, हाजी खलील, हाजी रौनक, मास्टर शौकीन, अलीशेर भाटी, इमरान चौधरी, बिलाल चौधरी, हाजी तौहीद, हाजी जाहिद, कुंवर फैजान, इरशाद अली, आमिर मुखिया, मुक्तकामिल चौधरी, मुज्जफर चौधरी, रिजवान अली, कपिल ननका ,संजय यादव सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने कहा कि पार्टी पीड़ित परिवार के साथ आगे भी मजबूती से खड़ी रहेगी तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी।

प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स कार्मिकों के हित में लिया गया यह निर्णय सराहनीय एवं स्वागत योग्य- अशोक कुमार

पारिश्रमिक में वृद्धि सरकार की संवेदनशीलता एवं कर्मचारी हितैषी सोच को दर्शाती- रंजना चौधरी

आउटसोर्स कार्मिकों को बेहतर आर्थिक संबल मिलने से उनके परिवारों को भी इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा- बृद्धिलाल,उ0प्र0 आउटसोर्स सेवा निगम के 'लोगो' का अनावरण, वेबसाइट एवं पोर्टल का हुआ शुभारम्भ,रतापुर में आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम में आउटसोर्स कार्मिकों ने देखा मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ लखनऊ से प्रसारित मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण किया गया, जिसमें श्रम विभाग के अन्तर्गत मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना तथा कन्या विवाह सहायता योजना के विभिन्न लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं नगर पालिका के विभिन्न वार्डो के सफाई कर्मचारियों को सफाई किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर विधायक सलोन अशोक कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार संवेदनशीलता एवं कर्मचारी हितैषी सोच को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इससे आउटसोर्स कार्मिकों में उत्साह एवं कार्य के प्रति और अधिक प्रतिबद्धता का संचार होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा आउटसोर्स कार्मिकों के पारिश्रमिक में वृद्धि की घोषणा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के हित एवं सम्मान के लिए

जी द्वारा आज लोक भवन, लखनऊ से आउटसोर्स कार्मिकों के बढ़े हुए पारिश्रमिक की घोषणा के साथ उ0प्र0 आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो का अनावरण तथा वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री जी के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का जनपद स्तरीय आयोजन सामुदायिक केन्द्र, रतापुर में किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों ने कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा तथा मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक सलोन अशोक कुमार, प्रशासक जिला पंचायत रंजना चौधरी, जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरान्त उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने लोक भवन, द्वारा आउटसोर्स कार्मिकों के हित में लिया गया यह निर्णय सराहनीय एवं स्वागत योग्य है। आउटसोर्स कार्मिक विभिन्न विभागों में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। बढ़े हुए पारिश्रमिक से उन्हें आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी तथा उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निरंतर कर्मचारियों एवं श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कल्याणकारी निर्णय ले रही है। इस पहल से आउटसोर्स कार्मिकों से संबंधित प्रक्रियाओं को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासक जिला पंचायत रंजना चौधरी ने कहा कि आउटसोर्स कार्मिक शासन की विभिन्न योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके पारिश्रमिक में वृद्धि सरकार की निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कार्मिकों को बेहतर आर्थिक संबल मिलने से उनके परिवारों को भी इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन के दौरान कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित आउटसोर्स कार्मिकों ने प्रदेश सरकार द्वारा उनके पारिश्रमिक में वृद्धि किए जाने की घोषणा का स्वागत किया। कार्मिकों ने कहा कि बढ़ा हुआ पारिश्रमिक उनके लिए आर्थिक राहत के साथ-साथ उनके कार्य के प्रति सम्मान और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, सहायक श्रमायुक्त उमेश यादव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.वी. सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न विभागों में कार्यरत बड़ी संख्या में आउटसोर्स कार्मिक उपस्थित रहे।

जलभराव में फंसे 32 लोगों को प्रशासन ने सुरक्षित बाहर निकाला, सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उप ग्रामीणों को आवागमन एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध प्रभावित परिवारों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक

जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह ने बताया कि तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम पूरे तिलक मजरे बघेल में अत्यधिक जलभराव के कारण लगभग 32 लोग प्रभावित होकर फंस गए थे। प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा था।उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में जलभराव की स्थिति को देखते हुए एक सप्ताह पूर्व ही नाव की व्यवस्था कर दी गई थी, जिससे कराने में सुविधा हो रही थी। बीती रात क्षेत्र में अचानक अत्यधिक पानी आने के कारण कुछ घरों में पानी प्रवेश कर गया, जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया।

प्रशासनिक टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए जलभराव में फंसे लगभग 32 लोगों को सकुशल बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस दौरान सहायता उपलब्ध कराई गई।उप जिलाधिकारी ने बताया कि सभी प्रभावित लोग सुरक्षित हैं तथा स्थिति पर प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

संबंधित राजस्व एवं अन्य विभागीय टीमों को क्षेत्र में सक्रिय रहकर जलभराव की स्थिति, प्रभावित परिवारों तथा आवश्यक राहत व्यवस्था पर निरंतर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

'बॉर्डर बचाऊं या अपना घर?' J&K में तैनात फौजी के घर 40 लाख की चोरी

बलिया। 'मैं देश बचाऊं, सरहद की रखवाली करूं या अपने घर की सुरक्षा?' जम्मू-कश्मीर बॉर्डर पर तैनात भारतीय सेना के जवान आशीष कुमार का यह सवाल इन दिनों चर्चा में है। जवान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने घर में हुई करीब 40 लाख रुपये की चोरी और पुलिस की कार्रवाई को लेकर अपनी पीड़ा जाहिर की है। जवान का आरोप है कि घटना के करीब 6 महीने बीत जाने के बाद भी चोरी का खुलासा नहीं हो सका है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक शिकायत भेजने का दावा किया है। अब सोशल मीडिया पर सामने आए उनके वीडियो के बाद मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है।बंद पड़े पुश्तैनी घर को चोरों ने बनाया निशाना-मामला बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के हरनाटार गांव का बताया जा रहा है। आशीष कुमार के मुताबिक, उनका परिवार लंबे समय से सेना में सेवा दे रहा है। वह खुद, उनके पिता और भाई भारतीय सेना में तैनात हैं। सीमा पर तैनाती के कारण गांव स्थित उनका पुश्तैनी मकान अक्सर बंद रहता है। जवान के अनुसार, इसी का फायदा उठाकर 1 मार्च को चोरों ने घर में धावा बोल दिया।

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई,40 लीटर शराब बरामद, 400 किलो लहन नष्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आबकारी गोझारी एवं शिवहला में कच्ची शराब बनाने के अड्डों एवं

आयुक्त के निर्देश पर जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने कार्रवाई की। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 प्रशांत कुमार ने हमराहियों के साथ सदर तहसील के थाना गुरुबक्सगंज अंतर्गत बसगवा, संदिग्ध घरों पर दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान कुल 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा मौके पर 400 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया। मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दो अभियोग पंजीकृत किए गए हैं।

अगस्त सितम्बर की ग्राम चौपाल के लिए अधिकारी नामित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने में एवं विकास खण्ड सलोन में उपायुक्त, स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में किसी एक विकास

खण्ड के ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा।इसी प्रकार 11 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 डीह में, जिला विकास अधिकारी लालगंज में,उपायुक्त, श्रम रोजगार सतांव में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार बछरावां में। 18 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 खीरों में, जिला विकास अधिकारी ऊँचाहार में,उपायुक्त, श्रम रोजगार दीनशाहगौरा एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार सरेनी में। 25 सितम्बर को परियोजना निदेशक जि0ग्रा0वि0अभि0 हरचन्दपुर, जिला विकास अधिकारी छतोह, उपायुक्त, श्रम रोजगार शिवगढ़ एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड अमावां के किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

माह सितम्बर 2026 के प्रत्येक शुक्रवार को समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली "ग्राम चौपाल" (गाँव की समस्याए गाँव में समाधान) के लिए विकास खण्डवार रोस्टर निर्धारित किया हैं। निर्धारित रोस्टर के अनुसार परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त, श्रम रोजगार एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपाल में से किसी एक विकासखंड की ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा।निर्धारित रोस्टर के अनुसार 04 सितम्बर को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकास खण्ड महराजगंज में, जिला विकास अधिकारी विकास खण्ड इलमऊ में, उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड रोहनियां

संगम नगरी प्रयागराज के पत्रकार मो. रिजवान का निधन, पत्रकार जगत में शोक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम रिजवान काफी दिनों से ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से

नगरी प्रयागराज के पत्रकार मो. रिजवान का बुधवार को लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। उन्होंने कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। मो. जूझ रहे थे और उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर से पत्रकारिता जगत और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। पत्रकार साथियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर विकास जैन ने उठाई आवाज,गौड़ सिटी चौक से लेकर पार्किंग, सीवरेज और सीएनजी ,जाम तक के मुद्दे प्रमुखता से उठाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने जनपद के व्यापारियों एवं आम जनता की विभिन्न गंभीर समस्याओं को लेकर व्यापार बंधु समिति की बैठक में प्रमुखता से आवाज उठाई। उन्होंने गौड़ सिटी चौक पर धीमी गति से चल रहे कार्य, सेक्टर-115 आइवरी काउंटी के सामने धूल-मिट्टी, सेक्टर-49 एवं सेक्टर-51 में बंद सीवरेज नालों, हनुमान मूर्ति रोड स्थित सीएनजी स्टेशन के कारण लगने वाले जाम तथा सेक्टर-51 बाजार में पार्किंग की समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की। विकास जैन ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का सीधा असर आम जनता पर भी पड़ता है। गौड़ सिटी चौक पर विकास कार्य की धीमी गति के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ हजारों वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कार्य में तेजी लाकर इसे जल्द पूरा कराने की मांग की। उन्होंने सेक्टर-115 स्थित आइवरी काउंटी के सामने उड़ रही धूल-मिट्टी की समस्या को भी गंभीर बताते हुए संबंधित विभाग से तत्काल स्थलीय निरीक्षण और धूल रोकने के प्रभावी इंतजाम कराने की मांग की। साथ ही सेक्टर-49 एवं सेक्टर-51 में बंद पड़े सीवरेज नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग रखी। सेक्टर-49 हनुमान मूर्ति रोड पर सीएनजी स्टेशन के कारण लगने वाले जाम का मुद्दा उठाते हुए विकास जैन ने यातायात विभाग से मौके का निरीक्षण कर वाहनों की कतार को व्यवस्थित करने तथा यातायात सुचारु रखने की ठोस व्यवस्था करने का आग्रह किया। सेक्टर-51 बाजार की पार्किंग समस्या को लेकर उन्होंने कहा कि बाजार में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग मजबूरी में सड़क किनारे वाहन खड़े करते हैं और उनके चालान किए जाते हैं। उन्होंने मांग की कि पहले वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था की जाए और उसके बाद पार्किंग नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। इन मांगों पर मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर श्री भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई व्यापार बंधु समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने व्यापारिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश सचिव शिवा चौहान ने भी व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

वहीं महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष नेहा जैन, गाजियाबाद ने महिला व्यापारियों एवं आम जनता से जुड़े विषयों को अधिकारियों के समक्ष रखा। बैठक में डिप्टी कमिश्नर प्रशासन राज्य कर विभाग अजीत कुमार सिंह, एसीपी ट्रैफिक पवन कुमार, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विकास जैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल व्यापारियों के साथ-साथ आम जनता से जुड़े मुद्दों को भी लगातार प्रशासन के समक्ष उठाता रहेगा और समस्याओं के समाधान तक अपनी आवाज मजबूती से उठाता रहेगा।

आईएमएस में दीक्षारंभ का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में बीबीए, बीसीए, एमसीए, एवं बीएजेएमसी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए दीक्षारंभ का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बतौर वक्ता एचसीएल टेक्नोलॉजी के वाइस प्रेसिडेंट अमित तिवारी, एक्सेंचर के सीनियर एनालिस्ट कुशाग्र पचौरी, एंकर एवं वरिष्ठ कार्यकारी संपादक दिनेश गौतम, जी न्यूज की एंकर लवीना राज एवं बीबीसी के सीनियर कॉरेस्पोंडेंट दिलनवाज पाशा ने अपने विचार प्रकट किए। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान डीन डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी, डॉ. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. अनिता पति, डॉ. सचिन बत्रा के साथ शिक्षक एवं छात्रों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने छात्रों से कहा कि सफल बनने के लिए पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुट जाए। जीवन में असफलता से सीख लें एवं पुनः तत्परता एवं दोगुने उत्साह से सफलता प्राप्ति के लिए योजनाबद्ध प्रयास करें। उन्होंने छात्रों से जीवन में आशावादी बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को शुरुआत करते हुए आईएमएस वेज सलाहकार प्रोफेसर डॉ. जेके शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों को भी सशक्त बनाती है। उन्होंने छात्रों से निरंतर सीखने, सकारात्मक सोच अपनाने और भविष्य की चुनौतियों का सामना अवसरों के रूप में करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता अमित तिवारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को अपने तकनीकी ज्ञान वेज साथ-साथ कम्युनिकेशन, टीमवर्क, समस्या-समाधान और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करना चाहिए। वहीं कुशाग्र पचौरी ने कहा कि नई तकनीकों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बदलते दौर में निरंतर सीखने और स्वयं को अपस्किल करने की आदत ही विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। आईएमएस नोएडा जैसे संस्थान विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

दिनेश गौतम ने कहा कि विद्यार्थी जीवन अपने सपनों को दिशा देने और भविष्य की मजबूत नींव रखने का महत्वपूर्ण समय है।

आज के दौर में सफलता के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता, कम्युनिकेशन स्किल्स और निरंतर सीखने की क्षमता विकसित करनी होगी।

नई तकनीकों और बदलते कॉर्पोरेट वातावरण के साथ स्वयं को अपडेट रखना ही युवाओं को करियर में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

आरडब्ल्यूए पाकेट-7 सेक्टर-82 के मुख्य गेट का सौंदर्यीकरण कार्य शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पाकेट-7 सोसायटी के द्वार की खूबसूरती बढ़ने के साथ ही सोसायटी की पहचान भी और बेहतर होगी।

मुख्य गेट के सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण का कार्य आरडब्ल्यूए टीम द्वारा शुरू कर दिया गया है। सोसायटीवासियों के लंबे इंतजार के बाद मुख्य गेट के कायाकल्प का कार्य शुरू होने से स्थानीय निवासियों में खुशी का माहौल है। आरडब्ल्यूए टीम द्वारा मुख्य गेट को आकर्षक एवं सुंदर बनाने के साथ-साथ उसके नवीनीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस कार्य से सोसायटी के प्रवेश सोसायटीवासियों ने आरडब्ल्यूए टीम के इस प्रयास की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। निवासियों का कहना है कि लंबे समय से मुख्य गेट के सौंदर्यीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे आरडब्ल्यूए ने गंभीरता से लेते हुए अब कार्य शुरू कराया है। सोसायटीवासियों ने उम्मीद जताई कि आरडब्ल्यूए टीम इसी तरह आगे भी विकास एवं जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देती रहेगी।

हलछठ पर्व धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-7 के पार्क में हलछठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। सुबह से ही पार्क में उत्साह और भक्ति का माहौल रहा।

बुधवार को महिलाओं ने पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ हलछठ पर्व मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं सुबह पार्क में एकत्रित हुईं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर हलछठ पर्व की कथा सुनी। महिलाओं ने सामूहिक रूप से हलछठ माता की पूजा की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और बच्चों की दीर्घायु की कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पर्व मनाते हुए छठ की कथा का श्रवण किया। कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही और सभी ने बड़े हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया। स्थानीय महिलाओं ने कहा कि ऐसे पारंपरिक पर्व हमारी संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने के साथ-साथ समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

सर्वाइकल कैंसर जागरूकता पहल, 10 बालिकाओं को लगी वैक्सीन की प्रथम डोज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। इनर व्हील क्लब ऑफ रॉबर्ट्सगंज आर्या एवं इनर व्हील क्लब ऑफ रेनुकूट के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सरकारी अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहल के तहत 10 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन की प्रथम डोज लगवाई गई। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष रितु अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष वंदना वर्मा, उपाध्यक्ष पूजा अग्रहरी, आईएसओ कीर्ति दुबे, सचिव नीलू अग्रवाल, मधुलिका अग्रवाल एवं डॉ. नेहा सिंह उपस्थित रहीं। इनर व्हील क्लब ऑफ रेनुकूट की अध्यक्ष ममता अग्रवाल एवं उनकी टीम ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। क्लब की ओर से सीएमओ डॉ. रमेश मिश्रा का विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। क्लब अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर गंभीर बीमारी है, लेकिन जागरूकता और समय पर वैक्सीनेशन से खतरे को कम किया जा सकता है। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक बालिकाओं और महिलाओं तक बचाव का संदेश पहुंचाना है। मदर क्लब रेनुकूट के साथ भविष्य में भी स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े प्रयास जारी रहेंगे।'

आउटसोर्स कार्मिकों को मिलेगा सम्मान, सेवा सुरक्षा सामाजिक सुरक्षा का मजबूत कवच : भूपेश चौबे

सोनभद्र में हुआ मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण,विधायक सदर ने कहा - श्रमिक विकास की महत्वपूर्ण कड़ी,डीएम बोले - हर पात्र तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रम का सम्मान, सेवा की सुरक्षा और श्रमिक परिवारों के भविष्य को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में प्रदेश सरकार के प्रयासों के क्रम में बुधवार को विकास भवन स्थित पंचायत रिसोर्स सेंटर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा-सुना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिक एवं आउटसोर्स कार्मिक शामिल हुए। मुख्यमंत्री द्वारा आउटसोर्स कार्मिकों के लिए निगम गठन, वेतन वृद्धि, चिकित्सा सुविधा और हित में लिए गए निर्णयों की घोषणा पर उपस्थित कार्मिकों ने तालियों से स्वागत किया। इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे, जिलाधिकारी चर्चित गौड़, सीडीओ जागृति अवस्थी, ब्लॉक प्रमुख सदर अजीत रावत, मंत्री प्रतिनिधि संजीव त्रिपाठी, एडीएम वि/रा वागीश कुमार शुक्ला, डीडीओ हेमंत कुमार सिंह, एसडीएम मुख्यालय आकांक्षा गौतम सहित अधिकारी, निर्माण श्रमिक एवं आउटसोर्स कार्मिक उपस्थित रहे। विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि श्रमिक प्रदेश के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रदेश सरकार श्रमिकों एवं आउटसोर्स कार्मिकों के सम्मान, अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने आउटसोर्स भर्ती व्यवस्था को ऑनलाइन, पारदर्शी एवं योग्यता-मेरिट आधारित बनाने, रिक्रूटमेंट, पोस्टिंग, उपस्थिति, वेतन, ग्रेच्युटी, बीमा एवं सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन करने की घोषणा की है। कार्मिक अपनी सर्विस डिटेल, बैंक खाता, उपस्थिति, भुगतान एवं वेतन कटौती की जानकारी एक ही स्थान पर देख सकेंगे। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र तक पहुंचाना प्राथमिकता है। कार्मिकों का वेतन सीधे बैंक खाते में जाएगा, ईपीएफ और ईएसआई अंशदान नियमित जमा होगा। एजेंसी द्वारा सर्विस चार्ज वेज नाम पर अनावश्यक कटौती नहीं हो सकेगी। मातृत्व अवकाश सहित सभी वैधानिक लाभ नियमानुसार मिलेंगे। दुर्घटना बीमा सहित वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। शिकायत दर्ज करने और समयसीमा में समाधान की सुविधा भी मिलेगी। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि निगम की वेबसाइट लोकार्पण के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा, वेतन हर माह 5 तारीख तक खाते में पहुंचेगा। कार्यक्रम वेज दौरान सफाई कार्मिकों को टूल किट एवं निर्माण श्रमिकों को डेमो चेक वितरित किए गए।

दो साल से सड़क बदहाल- जिम्मेदार कौन? नहर की खोदाई के बाद राह मुश्किल, हादसे का खतरा!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया। जिले के नगरा विकास खंड क्षेत्र के मालीपुर से छिटिकियां तक नहर रोड पिछले करीब दो साल से बदहाल पड़ी है। करीब दो वर्ष पूर्व नमामि गंगे परियोजना के तहत पाइपलाइन डालने के लिए सड़क की खोदाई की गई थी, लेकिन पाइपलाइन बिछने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं होने से राहगीरों की मुश्किलें लगातार बढ़ती गईं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और उबड़-खाबड़ रास्ते लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। दोपहिया और चार-पहिया वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भी आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि थोड़ी सी लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। यह मार्ग आसपास के गांवों के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण रास्ता है और रोजाना बड़ी संख्या में लोग इसी सड़क से होकर गुजरते हैं। सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। खंदवा गांव के पूर्व प्रधान प्रतिनिधि अमरनाथ गुप्ता ने मामले को लेकर अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), बलिया को प्रार्थना पत्र देकर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पाइपलाइन डालने के बाद से सड़क की स्थिति खराब है और करीब दो साल से ग्रामीण परेशानी झेल रहे हैं। बताया गया कि करीब एक माह पहले सड़क निर्माण को लेकर कार्यवाही की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब तक मौके पर कोई ठोस काम शुरू नहीं हुआ। ऐसे में बड़ा सवाल है कि आखिर दो साल से बदहाल इस सड़क की सुध कौन लेगा? नहर की खोदाई के बाद सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी किसकी है? और कब तक ग्रामीण जर्जर रास्ते पर जान जोखिम में डालकर सफर करते रहेंगे? ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को निर्देशित किया जाए और मालीपुर से छिटिकियां तक सड़क की जल्द मरम्मत कराकर लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा दी जाए। अब देखना होगा कि ग्रामीणों की इस मांग पर प्रशासन कब कार्रवाई करता है और दो साल से बदहाल सड़क की तस्वीर आखिर कब बदलती है?

जनता दरबार में पहुंची मेनका, पढ़ाई के लिए मांगा फ्री बस पास,डीएम ने 1 लाख का चेक और फ्री एमएसटी देकर की मदद

आजमगढ़। कभी-कभी किसी बड़े सपने के सामने सबसे बड़ी बाधा कोई बड़ी समस्या नहीं, बल्कि रोज आने वाली छोटी-छोटी जरूरतें बन जाती हैं। आजमगढ़ की मेनका प्रजापति के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखना भी मुश्किल हो गया था। पिता के निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी बिगड़ी कि आजमगढ़ शहर जाकर कोचिंग करने के लिए बस का किराया जुटाना भी मुश्किल हो गया। पढ़ाई छूटने की कगार पर पहुंची तो मेनका जिलाधिकारी के जनता दरबार पहुंची और सिर्फ इतना कहा कि अगर उसे बस का पास मिल जाए तो वह अपनी पढ़ाई जारी रख सकेगी। मेनका की इस गुहार पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने तत्काल मदद का भरोसा दिया। पहले रोडवेज के अधिकारियों से संपर्क कर छात्रा के लिए निःशुल्क यात्रा पास की व्यवस्था कराई गई। इसके बाद महज सात दिन के भीतर मेनका के परिवार को कलेक्ट्रेट बुलाकर एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी दी गई। डीएम की इस पहल के बाद परिवार की आंखों में आंसू जरूर थे, लेकिन इस बार ये आंसू बेबसी के नहीं, बल्कि राहत और खुशी के थे। पिता के निधन के बाद मुश्किल हुई पढ़ाई-मेनका प्रजापति आजमगढ़ के बूढ़नपुर तहसील क्षेत्र के अतरौलिया इलाके के खानपुर फतेह गांव की रहने वाली हैं।

राममंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा,ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी कमान के लीडर थे

अयोध्या। भारतीय वायुसेना के पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किए गए हैं। जितेंद्र मिश्रा इसी साल वायुसेना में 39 साल की सेवा देने के बाद 30 अप्रैल को रिटायर हुए हैं। देश की रक्षा के लिए करीब चार दशक तक सेवाएं देने वाले जितेंद्र मिश्रा को 3000 घंटे की उड़ान की अनुभव है। उन्होंने सन 1999 में हुए कारगिल युद्ध में मिराज पर लेजर-गाइडेड बम तैनात किए थे। अब जितेंद्र मिश्रा अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में प्रशासन और प्रबंधन का महत्वपूर्ण दायित्व निभाएंगे। कड़ी प्रतिस्पर्धा में चुने गए सीईओ-राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए काफी कठिन प्रतिस्पर्धा थी। सीईओ पद के लिए 5585 आवेदन आए थे। अंतिम चयन के बाद जितेंद्र मिश्रा को इस पद के लिए सर्वाधिक योग्य पाया और उनको राम मंदिर ट्रस्ट की कमान सौंपने का फैसला किया गया।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बनकटा ब्लाक के भोपतपुरा गांव के है मूल निवासी जितेंद्र मिश्रा का गांव बिहार की सीमा से सटा हुआ है। गांव में उनके निकट संबंधी रहते हैं। हालांकि जितेंद्र मिश्रा के जीवन का बड़ा हिस्सा दिल्ली में बीता है। उनके पिता नथुनी मिश्रा दिल्ली के श्रीराम कॉलेज में लेक्चरर रहे हैं। जितेंद्र मिश्रा की माता का नाम सरस्वती देवी है। उनके भाई डॉ देवेंद्र मिश्रा दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चिकित्सक हैं। दिल्ली में रहता है परिवार-जितेंद्र मिश्रा का परिवार दिल्ली में ही रहता है। उनकी पत्नी का नाम वत्सला मिश्रा है। वे गृहणी हैं। उनके दो बेटे हैं। इनमें से एक बेटा जर्मनी में शिक्षा ले रहा है। उनका नाम शांतनु मिश्रा है। उनका दूसरा बेटा सारण्य मिश्रा है, जो कि दिल्ली में पीएचडी कर रहा है। जितेंद्र मिश्रा के एक चचेरे भाई विकास मिश्रा इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकील हैं। उनके चाचा राम प्यारे मिश्रा का परिवार गांव में ही रहता है।

उचित दर विक्रेताओं का लाभांश रूपया 90 से बढ़कर रूपया 125 प्रति क्विंटल, प्रदेश सरकार के निर्णय पर जताया आभार

उचित दर विक्रेता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मा0 मुख्यमंत्री जी को सम्बोधित जिलाधिकारी को सौंपा धन्यवाद ज्ञापन,लाभांश में रूपया 35 प्रति क्विंटल की वृद्धि को बताया आर्थिक संबल एवं सम्मान प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उचित दर विक्रेता संघ, सोनभद्र के प्रतिनिधिमंडल ने आज जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ से भेंट कर प्रदेश सरकार द्वारा उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में रूपया 35 प्रति क्विंटल की वृद्धि करते हुए रूपया 90 से बढ़ाकर रूपया 125 प्रति क्विंटल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पांडेय जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को धन्यवाद ज्ञापन सौंपा। उचित दर विक्रेता संघ ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत उचित दर विक्रेता गरीब, जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा लाभांश में की गई यह वृद्धि उचित दर विक्रेताओं

को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ उनके सेवा कार्य के प्रति सरकार की संवेदनशीलता एवं सम्मान को भी प्रदर्शित करती है। संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि लाभांश में वृद्धि से उचित दर विक्रेताओं के आर्थिक हितों को मजबूती मिलेगी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहयोग मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति विशेष कृतज्ञता व्यक्त की।

साथ ही मा0 खाद्य एवं रसद मंत्री श्री मनोज कुमार पांडेय जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उचित दर विक्रेताओं के हितों एवं समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए लिया गया यह निर्णय उनके लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

'ऑपरेशन शुद्धि' के तहत थाना पिपरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

01 अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार, डीसीएम वाहन में 464 पेटियों में कुल 13,296 शीशी अर्थात 4077.36 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब व एण्ड्रॉयड मोबाइल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में 'ऑपरेशन शुद्धि' के

तहत अवैध शराब की तस्करी एवं अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष पिपरी श्री राजेश जी चौबे के नेतृत्व में थाना पिपरी पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 02.09.2026 को समय करीब 13.17 बजे कार्रवाई करते हुए मुर्धवा -रनटोला मार्ग से 464 पेटियों में कुल 13,296 शीशी, कुल 4077.36 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई तथा 01 शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 एण्ड्रॉयड मोबाइल फोन एवं रु1,200 नगद तथा अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त 01 डीसीएम आइसर ट्रक बरामद किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण– दिनांक 02.09.2026 को थाना पिपरी पुलिस टीम हाईटेक रेलवे क्रासिंग, मुर्धवा चर्च के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग एवं अपराध/अपराधियों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना दी गई कि एक डीसीएम ट्रक में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लदी हुई है, जो मुर्धवा तिराहा होते हुए बिहार/झारखण्ड की ओर जा रहा है। सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम द्वारा मुर्धवा तिराहा से कुछ दूरी पर रनटोला की तरफ मोड़ के पास वाहनों की चेकिंग प्रारम्भ की गई। इसी दौरान मुर्धवा की ओर से एक डीसीएम आइसर ट्रक आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा ट्रक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ट्रक को न रोककर आगे बढ़ने लगा। पुलिस टीम द्वारा पीछा कर करीब 200 मीटर आगे ट्रक को रोक लिया गया। ट्रक चालक को नीचे उतारकर नाम-पता पूछा गया तो उसने अपना नाम करन सिंह पुत्र सुरेश कुमार, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी देव नगर, थाना भिवानी, जनपद भिवानी, हरियाणा बताया। कृत कार्यवाही एवं बरामदगी–पुलिस टीम द्वारा ट्रक का पर्दा खुलवाकर चेक किया गया तो उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की पेटियां लदी मिलीं। मौके पर गणना करने पर कुल 464 पेटियों में 13,296

शीशी, कुल 4077.36 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब की शीशियों/बोतलों पर 'FOR SALE PUNJAB ONLY' अंकित पाया गया। अभियुक्त शराब के परिवहन के संबंध में कोई वैध कागजात/बिल्टी प्रस्तुत नहीं कर सका। अभियुक्त के कब्जे से 01 एण्ड्रॉयड मोबाइल फोन एवं रु1,200 नगद बरामद हुए। अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त डीसीएम आइसर ट्रक संख्या जीजे-27टीडी-6174 को पुलिस कब्जे में लिया गया। प्रकरण में अभियुक्त के विरुद्ध थाना पिपरी पर मु0अ0सं0-165/2026 धारा 60/63/72 आबकारी अधिनियम एवं धारा 318(4) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का विवरण– गिरफ्तार अभियुक्त करन सिंह से पूछताछ में प्रकाश में आया कि वह ट्रक चलाने का कार्य करता है। उसके अनुसार हरियाणा में एक अन्य व्यक्ति द्वारा उसे उक्त डीसीएम ट्रक लेकर जाने के लिए कहा गया था तथा बताया गया था कि ट्रक में जलजीरा कोल्ड ड्रिंक लदी है। बाद में उसे बताया गया कि ट्रक में अंग्रेजी शराब है, जिसे बिहार पहुंचाना है। अभियुक्त ने बताया कि उसे एक एण्ड्रॉयड मोबाइल फोन दिया गया था, जिसमें 'सेठ जी' के नाम से नंबर सेव था और रास्ते में व्हाट्सऐप कॉल के माध्यम से उसे आगे का रास्ता/लोकेशन बताया जा रहा था। अभियुक्त द्वारा पैसों के लालच में शराब का परिवहन किया जाना स्वीकार किया गया। पूछताछ में प्रकाश में आए अन्य व्यक्तियों की भूमिका एवं अवैध शराब तस्करी के नेटवर्क के संबंध में गहनता से जांच की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-करन सिंह पुत्र सुरेश कुमार, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी देव नगर, थाना भिवानी, जनपद भिवानी, हरियाणा। स्थायी पता : ग्राम बवानी खेड़ा, थाना बवानी खेड़ा, जनपद भिवानी, हरियाणा।बरामदगी का विवरण–01- 464 पेटियों में कुल 13,296 शीशी में कुल- 4077.36 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब (अनुमानित कीमत रु33 लाख) 02- 01 अदद डीसीएम आइसर ट्रक संख्या जीजे-27टीडी-6174 (अनुमानित कीमत रु27 लाख) 03- 01 अदद एण्ड्रॉयड मोबाइल फोन। 04- रु1,200 नगद। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1. थानाध्यक्ष राजेश जी चौबे, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 जितेन्द्र कुमार यादव, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 रामाश्रय यादव, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 शेष नाथ पाण्डेय, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 5. हे0का0 अमित सिंह, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 6. हे0का0 मोहन खरवार, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 7. का0 अभिषेक आर्या, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 8. हे0का0 राजेश पासवान, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र।

अवैध अंग्रेजी शराब की अनुमानित कीमत रु33 लाख एवं डीसीएम ट्रक की अनुमानित कीमत रु27 लाख,कुल बरामदगी की अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख

बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में नदी-घाटों से दूर रहें, सुरक्षित रहेंकृजिलाधिकारी,रेणुका नदी के छठ घाट पर मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा से बचाव का दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में तहसील ओबरा क्षेत्र में रेणुका नदी के छठ घाट पर बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से निपटने तथा नदी

नदी में डूबते व्यक्ति को बचाने एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाओं का किया गया प्रदर्शन,मॉक ड्रिल के माध्यम से आमजन को किया गया जागरूक, नदी के किनारे न जाने की दी गई सलाह

में डूबने की संभावित घटनाओं में त्वरित बचाव एवं राहत कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में सीआईएसएफ, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, मेडिकल टीम, आपूर्ति विभाग एवं पंचायती राज विभाग द्वारा समन्वित रूप से प्रतिभाग किया गया। इस दौरान नदी में किसी व्यक्ति के डूबने की स्थिति में उसे सुरक्षित बाहर निकालने, तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से संबंधित टीमों ने यह प्रदर्शित किया कि किसी व्यक्ति के नदी में डूबने की सूचना प्राप्त होने पर किस प्रकार तत्काल मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन संचालित किया जाए, डूबे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला जाए तथा उसकी स्थिति के अनुसार प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर आमजन को जागरूक करते हुए बताया गया कि बाढ़, जलभराव अथवा नदी में तेज जल प्रवाह की स्थिति में नदी, नाले, घाट एवं जलभराव वाले स्थानों के समीप न जाएं। बच्चों को विशेष रूप से नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी चेतावनी एवं सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई कि नदी में डूबते हुए व्यक्ति को देखकर स्वयं जोखिम उठाकर सूचना दें। प्रशिक्षित बचाव दल द्वारा व्यक्ति को बाहर निकाले जाने के बाद उसकी स्थिति के अनुसार प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा आवश्यकता होने पर तत्काल चिकित्सा केंद्र/अस्पताल पहुंचाया जाए।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ आमजन को आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों एवं बचाव उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति में अनावश्यक रूप से नदी अथवा जलभराव वाले स्थानों की ओर न जाएं और स्वयं तथा अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

थाना घोरावल पुलिस की प्रभावी कार्रवाईः गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल श्री राजेश कुमार राय के निकट पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक थाना घोरावल के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा आज दिनांक 02.09.2026 को प्रभावी कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0 208/2026, धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त चन्द्रशेखर उर्फ मखंचू मौर्य पुत्र छोटे लाल, निवासी पड़रिया, थाना सन्तनगर, जनपद मिर्जापुर, उम्र करीब 38 वर्ष को खुटहां बाईपास तिराहा से समय 06:35 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- चन्द्रशेखर उर्फ मखंचू मौर्य पुत्र छोटे लाल, निवासी पड़रिया, थाना सन्तनगर, जनपद मिर्जापुर, उम्र करीब 38 वर्ष। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास-मु0अ0सं0 208/2026, धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। मु0अ0सं0 63/2026, धारा 103(1), 238 बीएनएस, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमः-1. प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 2. का0 मो0 आकिफ, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 3. का0 हरिश्याम, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 4. का0 शिवमंगल यादव, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र।

एनडीपीएस एक्टः दो दोषियों को 4-4 वर्ष की कैद,20-20 हजार रुपये अर्थदंड,न देने पर एक- एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बिताई अवधि सजा में होगी समाहित,तीन वर्ष पूर्व पन्नूगंज पुलिस ने साढ़े 5 किग्रा गांजा के साथ दोनों को पकड़ा था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। तीन वर्ष पूर्व पन्नूगंज पुलिस द्वारा साढ़े 5 किग्रा गांजा के साथ पकड़े गए दो दोषियों

सैफ खां व शंकर को दोषसिद्ध पाकर विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र गोविंद मोहन की अदालत ने बुधवार को 4- 4 वर्ष की कैद की सजा सुनाई। वहीं इनके ऊपर 20-20 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर एक- एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी।अभियोजन पक्ष के मुताबिक पन्नूगंज थाना क्षेत्र के बेलखुरी मोड़ पर 7 मई 2023 को उपनिरीक्षक ऐश खां पुलिस बल के साथ मौजूद थे तभी वाहनों की तलाशी होते देख बाइक सवार दो लोग पहले बाइक धीमी रफ्तार किए उसके बाद तेज रफ्तार से भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें शक होने पर पुलिस बल की मदद से पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से साढ़े 5 किग्रा गांजा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान दोनो ने अपना नाम व पता क्रमशः सैफ खां पुत्र स्वर्गीय मजमूद खां निवासी हर्षनगर, रॉबर्ट्सगंज व शंकर पुत्र शिवधारी निवासी पूरब मोहाल रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र बताया। पुलिस ने धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में एफआईआर दर्ज कर चालान कर दिया। विवेचना के दौरान विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोनो दोषियों सैफ खां व शंकर को 4-4 वर्ष की कैद की सजा सुनाई। इनके ऊपर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। वहीं अर्थदंड न देने पर एक- एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील शशांक शेखर मिश्र ने बहस की।

कनहर नदी में मछली पकड़ने के लिए नाव लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कनहर नदी से संबंधित ग्राम भिसुर में सुरक्षा के दृष्टिगत मछली पकड़ने के लिए नाव लगाने पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। नदी में जलप्रवाह एवं संभावित जोखिम को देखते हुए प्रशासन द्वारा यह कदम उठाया गया है। स्थानीय चौकी इंचार्ज को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा प्रतिबंध का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने स्थानीय लोगों से नदी में अनावश्यक रूप से जाने से बचने एवं सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सुषमा यादव एडवोकेट को मिली बड़ी जिम्मेदारी-समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सुषमा यादव एडवोकेट की बड़ी एंट्री!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी की महिला सभा से जुड़ी बड़ी बहुत बड़ी मजबूत स्तंभ के रूप में महिलाओं को जोड़ने के लिए इनको सशक्त माना जा रहा है

राजनीतिक खबर सामने आई है। समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर बागी (भावना) की ओर से जारी नियुक्ति-पत्र में श्रीमती सुषमा यादव एडवोकेट को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला सभा के पद पर नामित किए जाने की जानकारी दी गई है। नियुक्ति-पत्र पर 31 अगस्त 2026 की तारीख दर्ज है। पत्र में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं गतिशील पिछले 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उनकी सक्रिय भूमिका देखी गई इटावा सैफई प्रयागराज गाज़ीपुर सहित कई जिलों में इन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई थी। यही नहीं पिछले 9 उपचुनाव में भी प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता संघ रहते हुए सुषमा यादव एडवोकेट जी ने प्रयागराज, मिल्कीपुर , कानपुर, सभी उपचुनाव में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद समाजवादी महिला सभा के संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी माना जाता है। खास बात यह है कि पूरे उत्तर प्रदेश में

बनाने की जिम्मेदारी के साथ यह महत्वपूर्ण पद दिया गया है। आखिर सुषमा यादव एडवोकेट को मिली यह जिम्मेदारी क्यों अहम है? राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद देने के पीछे राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर जी का सबसे बड़ा निर्णय इसलिए था कि एडवोकेट सुषमा यादव 2025 उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चुनाव के दौरान लगभग 3 साल तक इन्होंने पूरे यूपी के एक-एक जिला एक एक तहसील और एक-एक विधानसभाओं का दौरा किया है जिससे समाजवादी पार्टी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक सशक्त क्रिमिनल अधिवक्ता के रूप में पिछले 22 सालों से लगातार कार्यरत भी हैं जिससे उनकी पकड़ एक एक जिले एक-एक विधानसभा और गांव-गांव तक माना जाता है आप आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और संगठनात्मक तैयारियां तेज होने वाली हैं।

ऐसे में महिला संगठन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहने वाली है।

स्पोर्ट्स

जसप्रीत आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे नंबर पर फिसले,स्टार्क ने पिछले ही हफ्ते नंबर-1 पोजीशन छीनी थी, गिल को दो स्थान का नुकसान

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह

आईसीसी की ताजा टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने पिछले हफ्ते बुमराह को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान हासिल किया था। वे 872 रेटिंग पॉइंट के साथ टॉप पर कायम हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 पॉइंट के साथ दूसरे और बुमराह 853 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल नौवें नंबर पर हैं। गिल को दो स्थान का नुकसान हुआ है। ओली रॉबिन्सन टॉप-5 में पहुंचे- इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने 6 पायदान की छलांग लगाकर टॉप-5 में जगह बनाई है। पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 8 विकेट लेने के बाद उन्हें लगातार दूसरा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। इस शानदार प्रदर्शन के बाद रॉबिन्सन 831 रेटिंग पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वे जुलाई 2023 के बाद पहली बार टॉप-5 में लौटे हैं। टॉप-10 के बाहर भी तेज गेंदबाजों की छलांग-श्रीलंका के असिथा फर्नांडो 4 स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कोलंबो टेस्ट में भारत के खिलाफ 4 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के जोश टंग 4 पायदान की बढ़त के साथ संयुक्त रूप से 13वें और पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 10 स्थान की छलांग के साथ संयुक्त रूप से 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।टेस्ट बल्लेबाजी में ब्रुक नंबर-1:- टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर-1 पर कायम हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे और जो रूट तीसरे नंबर पर हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस 2 स्थान की बढ़त के साथ टॉप-10 में पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के सऊद शकील 15 पायदान चढ़कर 18वें, श्रीलंका के सोनल दिनूषा 29 स्थान की छलांग के साथ 25वें और भारत के देवदत्त पडिक्कल 5 पायदान ऊपर चढ़कर 54वें नंबर पर हैं। बुमराह की गैरमौजूदगी और स्टार्क का प्रदर्शन बना वजहः- बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में नहीं खेल सके थे। उनकी गैरमौजूदगी के बीच स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर टॉप पर पहुंचे थे। टी-20 रैंकिंग में ब्रेविस को 6 स्थान का फायदा-साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में 6 स्थान की छलांग लगाकर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। नामीबिया में जारी ट्राई सीरीज में उन्होंने 75, नाबाद 75 और 41 रन की पारियां खेली हैं। भारत के ईशान किशन नंबर-1, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दूसरे और अभिषेक शर्मा तीसरे नंबर पर हैं। गेंदबाजी में अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर-1 पर कायम हैं।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर बीसीसीआई की समीक्षा बैठक आज, गंभीर, अगरकर और लक्ष्मण मुंबई बुलाए गए, 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी पर चर्चा

स्पोर्ट डेस्क। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई

ने समीक्षा बैठक बुलाई है। हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण गुरुवार बैठक में शामिल होंगे। यह मीटिंग मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होगी। इसमें विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों की इंजरी, आईपीएल के वर्कलोड और टीम मैनेजमेंट, सीओई और चयन समिति के बीच कम्यूनिकेशन भी बैठक के अहम मुद्दे होंगे। 16 सीरीज बाद आयरलैंड से हारे, इंग्लैंड में भी खराब प्रदर्शन-भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में 0-2 से हार मिली थी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह भारत की करीब 3 साल में 16 सीरीज के बाद पहली टी-20 सीरीज हार थी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी-20 सीरीज में भारत 0-4 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली थी। वनडे सीरीज में भारत ने पहला मैच जीता, लेकिन सीरीज 1-2 से गंवा दी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने इन नतीजों के बाद टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की बात कही थी। अब यह बैठक बुलाई गई है। बुमराह की फिटनेस की जानकारी चयन समिति तक नहीं पहुंची-बैठक में खिलाड़ियों की इंजरी और सीओई की भूमिका पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों, सीओई और सिलेक्शन कमेटी के बीच कम्यूनिकेशन को लेकर सवाल उठे हैं। एक मामले में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के फिट नहीं होने की जानकारी चयन समिति को समय पर नहीं मिली थी। वॉशिंगटन सुंदर के चोटिल होने और साई सुदर्शन की रिकवरी में उम्मीद से ज्यादा समय लगने पर भी चर्चा होगी। 9 सितंबर को 4 खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट- आईपीएल के वर्कलोड का खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर भी बैठक का अहम मुद्दा होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए चुने गए जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, नीतिश रेड्डी और हर्षित राणा की उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है।

वैभव सूर्यवंशी भारत की टी-20 टीम में बरकरार- अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा,अय्यर कप्तान, बुमराह की वापसी

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम

का ऐलान कर दिया है। वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर टीम में जगह मिली है। श्रेयस अय्यर को ही कप्तान बनाया गया है, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल हैं। सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा। इस सीरीज के सभी मुकाबले नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। वैभव लगातार चौथी सीरीज के लिए टीम में शामिल- युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी लगातार चौथी सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने गए हैं। उन्हें पहली बार आयरलैंड दौरे के लिए चुना गया था। लेकिन, डेब्यू का मौका नहीं मिला। इंग्लैंड दौरे पर डेब्यू करने के बाद वैभव जिम्बाब्वे दौरे पर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्हें तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। वे 6 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 193 रन बना चुके हैं। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं। बुमराह 5 महीने बाद टी-20 इंटरनेशनल खेलेंगे-तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित 7 प्लेयर्स की टीम में वापसी हुई है। इनमें नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल शामिल हैं। बुमराह इंग्लैंड दौरे में वनडे सीरीज के दौरान घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए थे। वे श्रीलंका दौरे पर नहीं गए थे। जसप्रीत ने आखिरी टी-20 मैच 8 मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। यह टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला था। जिम्बाब्वे दौरे पर गए 8 खिलाड़ी बाहर- जिम्बाब्वे दौरे वाली भारतीय टीम में 8 बदलाव किए गए हैं। संजू सैमसन को दोबारा चुना गया है। वे जुलाई में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं थे। उनके साथ ईशान किशन को दूसरे विकेटकीपर होंगे। रिंकू सिंह, सूर्यांश शेडगे, हर्ष दुबे, प्रभसिमरन सिंह, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, मयंक यादव और अशोक शर्मा को बाहर किया गया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ क्लीन स्वीप किया था। 4 खिलाड़ियों का खेलना फिटनेस पर निर्भर- जसप्रीत बुमराह, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। ये सभी चोट से वापसी कर रहे हैं। हार्दिक पंड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वे इस समय चोट से उबर रहे हैं। अफगानिस्तान पहले ही टीम जारी कर चुका- इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदीकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, नूर रहमान, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांगयाल खरोती, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, नवीन उल हक, अब्दुल्लाह अहमदजई। रिजर्व खिलाड़ीः शाहिदुल्लाह कमाल, फरीद अहमद मलिक, इजाज अहमदजई।

एफडीए ने रोकी धतूरे की ऑनलाइन बिक्री, यह इतना खतरनाक, अगर गलती से खा लिया तो तुरंत क्या करें

गुरुग्राम। कर्नाटक के फूड सेफ्टी एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने अमेजन, स्विगी, इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। जांच में पता चला कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर धतूरे के फल और बीज खाने-पीने के प्रोडक्ट्स की कैटेगरी में बेचे जा रहे थे। मामला तब सामने आया, जब एक महिला की मां ने धतूरे को सामान्य फल समझकर खा लिया और उनकी तबीयत बिगड़ गई। मामला फूड सेफ्टी अधिकारियों तक पहुंचा तो जांच शुरू हुई। जांच में अधिकारियों ने पाया कि कुछ ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म धतूरे को खाने-पीने के प्रोडक्ट्स के साथ लिस्ट कर रहे थे। कुछ लिस्टिंग

पर फूड लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन नंबर भी दर्ज थे। इससे ग्राहकों को लग सकता था कि यह खाने के लिए सुरक्षित प्रोडक्ट है। जांच के आधार पर कर्नाटक के फूड सेफ्टी एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने अमेजन, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस निलंबित कर दिए। साथ ही धतूरे से जुड़ी सभी लिस्टिंग हटाने के निर्देश भी दिए। क्या यह सिर्फ गलती थी?फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने इसे साधारण गलती नहीं माना है। डिपार्टमेंट का कहना है कि धतूरा एक जहरीला पौधा है। अगर कोई प्लेटफॉर्म उसे खाने वाले प्रोडक्ट की तरह दिखाता है, तो इससे लोगों की सेहत को गंभीर खतरा हो सकता है। इसी वजह से अधिकारियों ने केवल लिस्टिंग हटाने के बजाय लाइसेंस निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई भी की है। सवाल- धतूरे में कौन-से जहरीले तत्व होते हैं? जवाब- धतूरे में 'ट्रोपेन एल्कलॉइड्स' नाम के जहरीले केमिकल कंपाउंड्स होते हैं। ये केमिकल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करते हैं और धतूरे की टॉक्सिसिटी के लिए जिम्मेदार होते हैं। धतूरा खाने के बाद उसके जहरीले केमिकल पेट और आंतों से ब्लड में पहुंच जाते हैं। इसके बाद ये पूरे शरीर में फैलकर नर्वस सिस्टम को प्रभावित करने लगते हैं। धतूरा खाने के बाद क्या होता है? मुंह सूखता है। जहर ब्लड में पहुंचता है। धुंधला दिखता है। हार्ट बीट बढ़ती है। कंफ्यूजन, हैलुसिनेशन होता है। शरीर का तापमान बढ़ता है। व्यक्ति कोमा में जा सकता है। इसे थोड़ा विस्तार से समझिए-1. जहर ब्लड में पहुंचता है-धतूरे के टॉक्सिक केमिकल डाइजेस्टिव सिस्टम से ब्लड में चले जाते हैं। लक्षण आमतौर पर 30 मिनट से कुछ घंटों के भीतर शुरू हो सकते हैं। 2. शरीर के सामान्य सिग्नल गड़बड़ होने लगते हैं-मुंह और गला सूखने लगता है। पसीना कम हो जाता है। आंखों की पुतलियां फैल सकती हैं और धुंधला दिख सकता है। 3. ब्रेन पर असर शुरू होता है-बेचैनी, घबराहट और भ्रम होने लगता है। व्यक्ति को ऐसी चीजें दिखाई या सुनाई दे सकती हैं, जो वास्तव में मौजूद नहीं होतीं। लोगों को पहचानने या सामान्य बातचीत करने में परेशानी हो सकती है। 4. हार्ट और शरीर पर असर बढ़ता है-हार्ट बीट तेज हो सकती है। शरीर का तापमान बढ़ सकता है। स्किन गर्म और सूखी महसूस हो सकती है। 5. गंभीर टॉक्सिसिटी- व्यक्ति अत्यधिक उत्तेजित या असामान्य व्यवहार कर सकता है। बेहोशी, दौरे या कोमा हो सकता है। समय पर इलाज न मिले तो स्थिति जानलेवा हो सकती है। सवाल- धतूरा खाने पर कौन-से शुरुआती लक्षण दिखाई देते हैं? जवाब- धतूरा टॉक्सिसिटी के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि व्यक्ति ने धतूरे की कितनी मात्रा खाई है। उसके शरीर में जहर कितना फैल चुका है। धतूरा टॉक्सिसिटी के संकेत- शुरुआती संकेत- मुंह और गला सूखना, बहुत ज्यादा प्यास लगना, चक्कर आना, धुंधला दिखना। गंभीर संकेत- बेचैनी और घबराहट, हार्टबीट तेज होना, भ्रम और मतिभ्रम (हैलुसिनेशन) तेज बुखार होना। सवाल- धतूरा खाने के कितनी देर बाद लक्षण दिख सकते हैं? जवाब- आमतौर पर इसके शुरुआती लक्षण 30 मिनट से 2 घंटे के भीतर दिखने शुरू हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इन्हें उभरने में इससे ज्यादा समय भी लग सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति ने धतूरे का कौन-सा हिस्सा खाया है, कितनी मात्रा में खाया है और उसकी उम्र और हेल्थ कंडीशन कैसी है। सवाल- क्या धतूरा जानलेवा भी हो सकता है? जवाब- हां, इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें मौजूद जहरीले रसायनों की मात्रा का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। यही कारण है कि डॉक्टर धतूरा टॉक्सिसिटी के हर केस को मेडिकल इमरजेंसी मानते हैं। धतूरे को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे प्राकृतिक पौधा होने के कारण सेफ मान लेते हैं। जबकि इसकी टॉक्सिसिटी का कोई निश्चित पैटर्न नहीं होता। एक ही मात्रा अलग- अलग लोगों में अलग असर डाल सकती है। इसे मेडिकल इमरजेंसी मानना चाहिए। घरेलू इलाज या लक्षणों के दिखने का इंतजार करने के बजाय तुरंत डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए। क्या करना चाहिए और क्या नहीं-इसे मेडिकल इमरजेंसी मानें। अगर किसी ने धतूरा खा लिया हैं तो -क्या करें? संभव हो तो धतूरे का फोटो भी लें। कितना और किस वक्त खाया। उसकी लगातार निगरानी करें। व्यक्ति को तुरंत हॉस्पिटल ले जाएं। डॉक्टर को पूरी डिटेल्स बताएं। व्यक्ति को शांत रखें। डॉक्टर से पूछे बिना कोई दवा न दें। अगर किसी ने धतूरा खा लिया हैं तो -क्या नहीं करें? खुद से उल्टी कराने की कोशिश न करें। लक्षण बढ़ने का इंतजार न करें। घरेलू नुस्खों, झाड़- फूंक पर भरोसा न करें। व्यक्ति को अकेला न छोड़ें। सवाल- क्या धतूरे को छूने से भी नुकसान हो सकता है? जवाब- पौधे को छूने के बाद अगर हाथ धोए बिना आंख, नाक या मुंह को छू लिया जाए तो समस्या हो सकती है। सवाल- क्या आयुर्वेद या पारंपरिक चिकित्सा में धतूरे का कोई इस्तेमाल है? जवाब- हां, आयुर्वेद में धतूरे का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसे सामान्य जड़ी-बूटी की तरह नहीं माना जाता। 'जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एंड इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंस' में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, आयुर्वेद में धतूरे को सेमी-पॉइजनस कैटेगरी में रखा गया है। यानी यह ऐसा पदार्थ है, जिसमें औषधीय गुण भी हैं और विषैले गुण भी। इसके पत्ते, फूल, बीज और जड़ का यूज अलग-अलग आयुर्वेदिक दवाओं में होता है। हालांकि, आयुर्वेद में भी धतूरे का उपयोग बहुत सावधानी से किया जाता है। पहले विशेष प्रक्रियाओं से इसकी टॉक्सिसिटी कम की जाती है। साथ ही इसकी मात्रा का सख्ती से पालन किया जाता है, क्योंकि थोड़ी सी चूक भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। सवाल- किसी जहरीले पौधे को फूड सप्लीमेंट बताकर बेचने पर क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- ऐसे मामलों में फूड सेफ्टी अधिकारी जांच कर सकते हैं और कई सख्त कदम उठा सकते हैं, जैसेकि- प्रोडक्ट की बिक्री रुकवा सकते हैं। उसे बाजार से हटाने का आदेश दे सकते हैं।संबंधित कंपनी या विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं।गंभीर मामलों में फूड लाइसेंस निलंबित या रद्द कर सकते हैं। एफएसएसएआई के नियमों के तहत 10 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है।सवाल- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऐसा प्रोडक्ट मिलने पर ग्राहक इसकी शिकायत कहां कर सकते हैं? जवाब- ग्राहक इसकी शिकायत सीधे एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं।

यह पोर्टल पैकेज्ड फूड, ऑनलाइन एग्रीगेटर और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़ी शिकायतों के लिए बनाया गया है। ग्राहक शिकायत के साथ प्रोडक्ट की फोटो, स्क्रीनशॉट, बिल या अन्य सबूत भी अपलोड कर सकते हैं।

व्यस्त शेड्यूल से डब्लूटीसी फाइनल की राह मुश्किल, ईरानी कप और इंडिया-ए मैचों से तैयारियों के लिए चुनौती, न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले कम समय

स्पोर्टडेस्क। भारतीय टीम के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के

फाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल होती जा रही है। डब्लूटीसी पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर मौजूद टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल है। नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय खिलाड़ियों को रेड-बॉल क्रिकेट की पर्याप्त तैयारी का समय नहीं मिल पा रहा है। टीम मैनेजमेंट और नेशनल सिलेक्शन कमेटी के सामने घरेलू क्रिकेट, इंडिया-ए के मुकाबलों और इंटरनेशनल सीरीज के बीच खिलाड़ियों के वर्कलोड और तैयारियों का संतुलन बनाने की चुनौती है। ईरानी कप और इंडिया-ए मैचों का शेड्यूल टकराया- ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए को 22-25 सितंबर और 29 सितंबर-2 अक्टूबर तक दो 4-दिवसीय रेड-बॉल मैच खेलने हैं। वहीं, 1-5 अक्टूबर तक श्रीनगर में ईरानी कप होगा। दोनों टूर्नामेंट के शेड्यूल में क्लैश से टेस्ट दावेदारों को लेकर चयनकर्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। इंडिया-ए में ज्यादा टेस्ट खिलाड़ियों को उतारने पर ईरानी कप की रेस्ट ऑफ इंडिया टीम कमजोर हो सकती है, जबकि खिलाड़ियों को ईरानी कप में भेजने पर उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट की तैयारी का मौका कम मिलेगा। न्यूजीलैंड दौरे से पहले भी टाइमलाइन टाइट-भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से 5 मैचों की टी-20 सीरीज के

साथ शुरू होगा। इसके बाद 24 अक्टूबर से इंडिया-ए के तीन 4-दिवसीय मैच होंगे, जिनका शेड्यूल 5 मैचों की वनडे सीरीज से ओवरलैप करेगा। सबसे बड़ी चिंता यह है कि आखिरी वनडे और पहले टेस्ट के बीच सिर्फ 4 दिन का अंतर है। ऐसे में टेस्ट खिलाड़ियों को रेड-बॉल क्रिकेट की पर्याप्त तैयारी का समय मिलना मुश्किल है। गिल-गंभीर चाहते हैं 10-14 दिन की तैयारी- कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गौतम गंभीर बड़ी टेस्ट सीरीज से पहले 10 से 14 दिन की तैयारी चाहते हैं। हालांकि, मौजूदा शेड्यूल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले इतना समय मिलना मुश्किल नजर आ रहा है। वनडे और टेस्ट के बीच संतुलन की चुनौती- अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम मैनेजमेंट साउथ अफ्रीका की परिस्थितियों में मुख्य वनडे खिलाड़ियों को ज्यादा मैच खिलाना चाहता है। वहीं, डब्लूटीसी फाइनल की रेस के लिए आगामी टेस्ट सीरीज भी बेहद अहम हैं। इसी वजह से मुख्य टेस्ट खिलाड़ियों को तीसरे वनडे के बाद रिलीज करने की योजना है, ताकि वे टेस्ट की तैयारी कर सकें।कुछ खिलाड़ियों को वनडे सीरीज से पहले इंडिया-ए के रेड-बॉल मैचों में भी मौका दिया जा सकता है। शेड्यूल को लेकर तालमेल पर सवाल- सूत्रों के मुताबिक, इस बार सीजन का शेड्यूल तय करते समय भारतीय टीम मैनेजमेंट को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया। आमतौर पर बीसीसीआई की ऑपरेशंस टीम, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई), टीम मैनेजमेंट और सेलेक्टर्स मिलकर कार्यक्रम तय करते हैं। श्रीलंका दौरे के दौरान हालांकि गिल की मांग पर टेस्ट सीरीज से पहले टीम को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। अब चुनौती डब्लूटीसी के साथ घरेलू और लिमिटेड ओवर्स के व्यस्त शेड्यूल के बीच टेस्ट तैयारियों को संतुलित करने की है।

'सेल्फ-मेड' एक मिथक, हर बुलंदी के पीछे अपनों का साथ,आत्मनिर्भरता का भ्रम हमें कभी-कभी असहाय बना देता है

द न्यूयॉर्क टाइम्स। 'समाज अक्सर 'सेल्फ-मेड' या अकेले संघर्ष करने वाले व्यक्ति की छवि को बढ़ावा देता है, जो कि

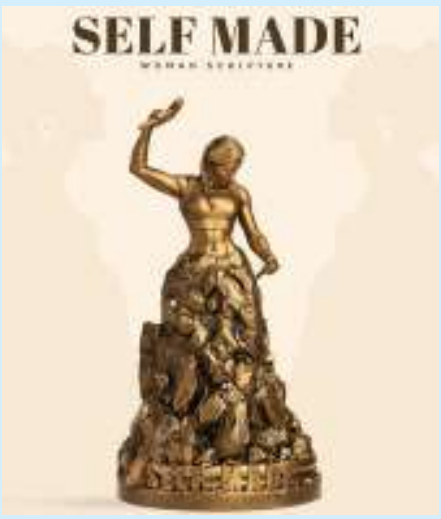

भ्रामक है।' ख्यात मनोवैज्ञानिक व लेखिका एंजेला डकवर्थ कहती हैं, 'अत्यंत सफल लोगों में यह आदत समान होती है- मदद मांगने की तत्परता। मेरा अनुभव भी यही कहता है। एक भयावह घटना के बाद मुझे समझ आ गया कि कभी-कभी जीवन का सबसे बड़ा पराक्रम अकेले लड़ना नहीं, बल्कि सही समय पर हाथ फैलाकर मदद मांगना होता है।' पढ़िए, एंजेला को क्या सबक मिला-'एक दिन मैं मियामी के शांत नीले समंदर में अपनी 86 वर्षीय मां के साथ स्नोकेलिंग कर रही थी। सब कुछ सामान्य लग रहा था, तभी अचानक तेज लहर हमें नाव से काफी दूर बहा ले गई। घबराहट में मां के फेफड़ों में पानी भर गया और वे बेहोश हो गईं। चारों ओर अथाह पानी था और मदद का कोई संकेत नहीं दिख रहा था।मैंने पूरी ताकत लगा दी। एक हाथ से मां को संभाला और दूसरे हाथ से तैरने की कोशिश करती रही, पर लहरों के सामने शक्ति कम पड़ रही थी। सांसें तेज हो रही थीं, फेफड़े जल रहे थे और शरीर जवाब देने लगा था। तभी लगा कि अकेले संघर्ष करते रहना जानलेवा साबित हो सकता है। मैंने तुरंत तरीका बदला, मां का सिर पानी से ऊपर रखा और दूसरे हाथ से इशारा करते हुए पूरी ताकत से पुकारा, 'हेल्प...!' पुकार काम कर गई। बचावकर्मियों की टीम तुरंत पहुंच गई और हमें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उस दिन मैंने समझा कि हर लड़ाई अकेले जीतने की कोशिश बहादुरी नहीं होती। हासिल करो। 'सेल्फ-मेड' लोगों की कहानियां भी यही संदेश देती हैं कि कामयाब लोग किसी की मदद नहीं लेते। अत्यधिक सफल लोगों की स्टडी के बाद मैंने पाया कि सफलता के पीछे सिर्फ व्यक्तिगत मेहनत नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर दूसरों से मदद लेने की क्षमता भी अहम है। दुनिया के सबसे बड़े वेल्थ फंड के प्रमुख निकोलाई टैनगेन हों या मशहूर होस्ट कॉनन ओ'ब्रायन, दोनों खुलकर स्वीकार करते हैं कि उनकी सफलता अकेले की नहीं, बल्कि अनेक लोगों के सहयोग का नतीजा है। स्टार्टअप जगत की प्रतिष्ठित संस्था 'वाई कॉम्बिनेटर' भी अकेले फाउंडर्स के बजाय मजबूत टीमों को तरजीह देती है, क्योंकि मिलकर काम करने वाले लोग बेहतर फैसले लेते हैं। मनोविज्ञान इसे 'आत्मनिर्भरता का भ्रम' कहता है। हम अक्सर भूल जाते हैं कि हमारी सीख, मौके और उपलब्धियां दूसरों के सहयोग से ही संभव हुई हैं। मदद मांगना कमजोरी नहीं है। सच तो यह है कि ज्यादातर लोगों को किसी की मदद करके खुशी व संतोष मिलता है। सच्ची समझदारी हर मुश्किल अकेले झेलने में नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर मदद मांगने में है। जब रास्ता न सूझे तो सवाल पूछें, काम उलझे तो साथियों को बताएं और संकट आए तो हाथ बढ़ाने से न हिचकें। उस हादसे के 5 साल बाद मां ने 91वां जन्मदिन मनाया। यह सबूत है कि जीवन की खूबसूरती अकेले चलने में नहीं, बल्कि अपनों का हाथ थामने में है।' -एंजेला

'जॉब हंटिंग' अपने आप में एक अहम जॉब है

तब हर दिन चमकीली धूप से भरा सर्दियों के दिन जैसा था, जिसमें कोई व्यक्ति अपना बेस्ट सूट या ड्रेस पहनकर दूसरों के सामने कैटवॉक करता

है, ताकि उनके नोटिस में आ सके। मैं असली मौसम की बात नहीं कर रहा, बल्कि इस एहसास की तुलना कॉलेज स्टूडेंट्स के एक वॉट्सएप ग्रुप से कर रहा हूं। क्योंकि बीते चार वर्षों से यह ग्रुप हमेशा नाइट-आउट प्लान, डेटिंग एप के स्क्रीनशॉट्स, बातचीतों और उन तस्वीरों से भरा होता था कि कोई उस वीकेंड क्या पहनने की योजना बना रहा है। फिर जब पासआउट होने की और कन्वोकेशन-डे की तस्वीरें पोस्ट होने लगीं तो मौसम बदल गया। स्क्रीन क्लाउडी नजर आने लगी, क्योंकि एम्प्लॉयर्स के रिजेक्शन लेटर अपना बदसूरत चेहरा दिखाने लगे थे। वे सभी एक ही लाइन से शुरू होते- 'डियर रमेश/सुरेश/महेश'। बस आवेदक के अनुसार उसका नाम बदलता और बाकी लाइनें वही रहती थीं। अगली लाइन में होता था- 'आवेदन का समय निकालने के लिए धन्यवाद, लेकिन आवेदकों की भारी संख्या के कारण हम अभी आपको पर्सनलाइज्ड फीडबैक भी नहीं दे सकते। अन्य कॅरिअर अपॉर्च्युनिटीज के लिए हमारी वेबसाइट या जॉब साइट्स देखते रहेंष्ठ।' बीते 1 महीने में ग्रुप में उन लाइनों से आगे किसी ने पढ़ा ही नहीं। पिछले दो दिनों से तो कुछ लोग स्माइली भेजने लगे हैं, क्योंकि वे स्पष्ट जानते हैं कि कोई दूसरी सलाह तो डिप्रेसिंग ही होगी। उनके पास ये सारे सर्टिफिकेट थे, वही एक चीज ज्यादातर के पास नहीं थी : एक जॉब। जॉब रिजेक्शन के झटके से उबरने के लिए कुछ स्ट्रेटजी यहां पेश हैं। 1. अपनी कीमत को किसी के फैसले से अलग रखें : रिजेक्शन किसी फर्म का बिजनेस डिसीजन था, यह आपकी ह्यूमन वैल्यू का प्रतिबिंब नहीं है। 2. ऐसे लेटर इनबॉक्स में आते ही खुद को वेंटिग टाइम दें : अपसेट महसूस करने के लिए 15 मिनट का टाइमर लगाएं, किसी दोस्त से भड़ास निकालें या निराशा को लिखें, और फिर आगे बढ़ जाएं। 3. कनेक्ट बनाए रखें : भले ही उन्होंने विनम्रता से आपको फीडबैक न मांगने के लिए कहा हो, फिर भी विनम्रता से उन्हें समय देने के लिए धन्यवाद कहें और पूछें कि क्या कोई एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप फिट हो सकते हैं। अपनी खूबियां बताएं। हो सकता है कि लगातार कोशिश आपको 'कन्विंसिंग संबंधी जॉब' तक पहुंचा दे। 4. जॉब हंटिंग नंबर गेम जैसा है : आपकी ओर से एप्लिकेशन पाइपलाइन इतनी व्यस्त होनी चाहिए कि एक रिजेक्शन आपको दुनिया का अंत न लगने लगे। 5. पॉजिटिव ग्रुप का हिस्सा बनें : रिजेक्शन समय के साथ आपका आत्मविश्वास गिराते हैं। अपने पैरेंट्स और करीबी लोगों को कहें कि वे पॉजिटिव तारीफ करके आपको सपोर्ट करें। हर दिन नए लोगों से मिलें और देखें कि आप कहां अटक रहे हैं। अगर आप आवेदन के तुरंत बाद रिजेक्ट हो रहे हैं तो रिज्यूमे ठीक करें।

अगर इंटरव्यू के बाद रिजेक्ट हो रहे हैं तो स्पीकिंग स्किल पर काम करें। 7. कंप्लीट डिजिटल ब्रेक लें : लगातार आते नोटिफिकेशन आपके नर्वस सिस्टम को तनाव में रखते हैं।

ईमेल चेक करने के लिए सख्ती से समय तय करें और लोगों से फेस-टु-फेस मिलकर नेटवर्किंग बनाएं। जब आप मेंटर या पैरेंट्स की सुझाई ये और कुछ दूसरी स्ट्रेटजी अपनाएंगे तो आपकी सोशल लाइफ बदल जाएगी।

आपकी प्राथमिकताएं और फोकस बदल जाएगा।

और मोटिवेशन के लिए तो आप बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान का मशहूर डायलॉग याद कर सकते हैं- 'किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है।'

फंडा यह है कि जब जॉब रिजेक्शन की बेरहम हकीकत आपसे आंखें मिलाए तो खुद से कहें कि आपके पास 'जॉब हंटिंग' का एक अहम जॉब है और उसी प्रोजेक्ट पर फोकस रखें।

यकीन मानिए, 'शिद्दत' के साथ किया गया फोकस आपको आपके लक्ष्य के और करीब ले जाएगा। एन. रघुरामन

सबकी नजरें एआई पर, लेकिन असली ताकत 'क्लाउड' के हाथों में है

हाल ही में जब गूगल (अल्फाबेट) ने अपने ताजा तिमाही नतीजे घोषित किए, तो एआई को लेकर जितनी हाइप बनेगी, क्लाउड का इस्तेमाल उतना ही बढ़ेगा और इनका बिजनेस जहां अनेक कंपनियां मिलकर डिजिटल तकनीकों का निर्माण करती हैं, लेकिन उनका बड़ा

निवेशकों को उसके नकारात्मक फ्री कैश फ्लो और डेटा सेंटरों पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंता हुई। लेकिन गूगल- ओपनएआई या एन्थ्रोपिक जैसी कंपनी नहीं है, जो भारी खर्च करते हुए मुनाफे उतना ही फैलेगा। क्लाउड पर मालिकाना हक होने के कारण इन कंपनियों के हाथों में पूरे डिजिटल ढांचे का नियंत्रण है। डेटा और सॉफ्टवेयर से लेकर सेमीकंडक्टर और अत्याधुनिक

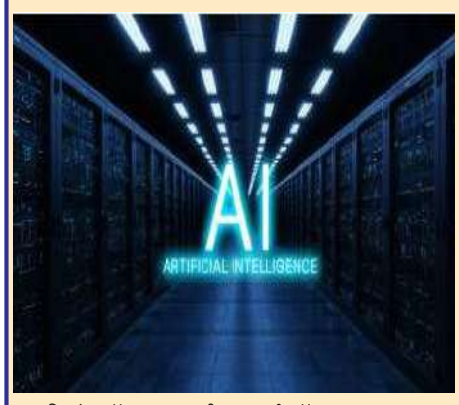

वाला बिजनेस मॉडल तलाश रही हो।वह क्लाउड-कंप्यूटिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी है और दूसरी तिमाही में उसके क्लाउड डिवीजन के नतीजे असाधारण रहे हैं। गूगल क्लाउड का राजस्व साल-दर-साल 82 प्रतिशत बढ़ा है और अब यह गूगल सर्च से होने वाले राजस्व के 40 प्रतिशत के बराबर पहुंच गया है। दो अन्य टेक दिग्गज- माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी इसी स्थिति में हैं। माइक्रोसॉफ्ट का क्लाउड कारोबार उसका सबसे तेजी से बढ़ने वाला डिवीजन है और रिकॉर्ड मुनाफा कमा रहा है। वहीं अमेजन वेब सर्विसेज की शुद्ध बिक्री साल-दर-साल 37 प्रतिशत बढ़ी है, जिसे कंपनी ने पिछली 18 तिमाहियों में सबसे तेज ग्रोथ बताया है। एआई इन क्लाउड दिग्गजों का ट्रोजन हॉर्स है। एआई मॉडल तक- सब कुछ क्लाउड के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। डिजिटल तकनीकों को विकसित करने या उन्हें लागू करने वालों के लिए क्लाउड एक अपरिहार्य सुपरमार्केट है। थर्ड पार्टीज़ भी अपनी डिजिटल तकनीकों को सेवाओं के रूप में उपलब्ध कराती हैं, जिससे क्लाउड की एक ही जगह हर चीज उपलब्ध कराने वाले केंद्र के रूप में उपयोगिता और बढ़ जाती है। नतीजतन, हजारों कंपनियों का एक विशाल नेटवर्क तैयार हो गया है- जिसमें एसएपी, ओरेकल और आईबीएम जैसे दूसरे दिग्गज भी शामिल हैं- जो अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्मों के जरिए अपनी तकनीकें उपलब्ध करा रही हैं। इस तरह, क्लाउड वह जगह है, जहां कुछ गिनी-चुनी कंपनियों को ही मिलता है। क्लाउड पर नियंत्रण ने अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल को ओरेकल और एनवीडिया जैसी दूसरी विशाल टेक कंपनियों से भी अलग दर्जा दिया है। ओरेकल या मेटा के विपरीत, क्लाउड दिग्गज डेटा सेंटरों में केवल एआई मॉडलों को प्रशिक्षित करने और उन्हें चलाने के लिए निवेश नहीं कर रहे हैं, बल्कि अधिक ग्राहकों को अपने मौजूदा इकोसिस्टम में लाने के लिए भी कर रहे हैं। हर उद्योग की कंपनियां, सरकारें और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय संगठन भी अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल से अपनी जरूरतों के मुताबिक तैयार की गई डिजिटल सेवाओं के विशाल पैकेज किराये पर लेते हैं। इनमें वर्चुअल सर्वरों पर स्टोरेज, कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क, साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर, यूजर ट्रैफिक को रूट करने की तकनीक और सैकड़ों अन्य सेवाएं शामिल हैं। एआई मॉडलों के बीच जितनी प्रतिस्पर्धा होगी, क्लाउड दिग्गज उतने ही मजबूत होते जाएंगे। अधिक एआई मॉडल्स का मतलब है डिजिटल तकनीकों का अधिक विकास और उपयोग, और क्लाउड कारोबार का और विस्तार। ओपनएआई और एन्थ्रोपिक जैसी एआई लैब्स को अपना पूरा समय और ध्यान अधिक एडवांस्ड मॉडल जारी करने पर केंद्रित करना पड़ता है, जिससे वे और अधिक क्लाउड सेवाओं का इस्तेमाल करने लगती हैं। एआई का चाहे जो हो, क्लाउड दिग्गजों का नियंत्रण केवल बढ़ता जाएगा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,सेसिलिया रिकाप)

घर में आप 'टीनेज लव' को कैसे संभाले?

1958 में एक बोर्डिंग स्कूल में कक्षा नौ के छात्र रहे 14 साल के थॉम स्टीनबेक ने अपने पिता को पत्र लिख कर कहा कि उन्हें सुसान नाम की लड़की से प्यार हो गया है। बताएं कि अब उन्हें क्या करना चाहिए। पत्र के आखिर में उन्होंने पिता को यह भी समझाया कि उनकी भावनाओं को 'पप्पी लव' मानकर खारिज न करें, जिसके बारे में वे खुद अपनी किताबों में लिख चुके हैं। थॉम पिता को इतना निजी पत्र इसलिए लिख पाया, क्योंकि उसके पिता जॉन स्टीनबेक अमेरिका के महानतम लेखकों में से एक थे। आम लोगों, खासकर मजदूरों, प्रवासियों और कठिन हालात झेल रहे परिवारों के जीवन को बेहद वास्तविकता और संवेदनशीलता के साथ अपनी किताबों में उतारने के लिए उन्हें 1962 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था। महामंदी के दौरान एक परिवार के संघर्षों पर आधारित उनकी मशहूर किताब 'द ग्रेप्स ऑफ रॉथ' को पुलित्जर मिला। अपने खुद के खेत का सपना देखने वाले दो प्रवासी मजदूरों की कहानी पर आधारित दूसरी चर्चित किताब 'ऑफ माइस एंड मेन' दुनिया भर के स्कूलों में पढ़ाई गई, मेरे स्कूल में भी। स्टीनबेक ने बेटे को जवाब देते हुए लिखा 'अगर तुम्हें प्यार हुआ है तो यह अच्छी बात है। यह किसी के भी साथ हो सकने वाली सबसे अच्छी बात है। किसी को भी इसे मामूली या कमतर मत समझने देना।' लेकिन साथ ही उन्होंने बेटे से प्यार के दो रूपों के बीच फर्क समझने को भी कहा। एक प्यार स्वार्थी, जकड़ने वाला और अहंकार से भरा होता है, जिसमें व्यक्ति खुद को बेहद अहम मानने लगता है। दूसरा, सामने वाले को अनोखा और मूल्यवान मानता है।उन्होंने बताया कि 'पहला प्यार

तुम्हें छोटा और कमजोर बनाएगा। लेकिन दूसरा तुम्हें ऐसी ताकत, साहस, नेकी और समझदारी से भर देगा, जिसके बारे में तुम्हें खुद भी पता नहीं था कि ये तुम्हारे पास हैं।' मैं स्टीनबेक की नौ किताबें पढ़ चुका हूं, जिनमें 'ईस्ट ऑफ ईडन', 'कैनरी रो' और 'द पर्ल' शामिल हैं। जब मुझे अपनी पत्नी से प्यार हुआ तो मैंने उन्हें स्टीनबेक की अपने पालतू डॉग चार्ली के साथ अमेरिका यात्रा पर आधारित ट्रैवलॉग 'ट्रैवल्स विद चार्ली' गिफ्ट की थी। मैंने यह किताब इसलिए चुनी, क्योंकि मेरी पत्नी के पास भी स्नोई नाम का पालतू डॉग था, जो शादी के बाद 'दहेज' में हमारे घर आ गया। इसलिए मेरा मानना है कि स्टीनबेक ने पहले प्यार की चुनौती और गिफ्ट को बहुत अच्छे-से समझाया है। पहला प्यार आपको अपना सबसे अच्छा रूप खोजने में मदद कर सकता है, तब जबकि आपका दिल चुरा लिया गया हो और दिमाग काम करना बंद कर चुका हो। जिन पैरेंट्स के बच्चे टीनेज रोमांस से गुजर रहे हों, उन्हें यह समझना चाहिए कि यह दीवानापन हार्मोन और न्यूरोट्रांसमीटर्स का मिला-जुला नतीजा है। नॉरएपिनेफ्रिन पेट में गुदगुदी करता है, एड्रेनालिन से हथेलियों में पसीना आता है और ऑक्सीटोसिन बॉन्डिंग बढ़ाता है। ब्रेन स्टडीज बताती हैं कि रोमांटिक प्रेम में वही रिवॉर्ड सर्किट एक्टिव होते हैं, जो ड्रग एडिक्शन में होते हैं। स्टीनबेक का पत्र आज भी इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि उसकी शुरुआत सम्मान से होती है। वे बेटे की भावनाओं पर हंसे नहीं, न खारिज और नजरअंदाज किया। पहले उन्होंने उसकी भावना स्वीकार की और फिर सही-गलत समझाया। आज भी पैरेंट्स के लिए यह सबसे असरदार तरीका हो सकता है। टीनेज लव को हैंडल करने के कुछ व्यवहारिक तरीके यहां पेश हैं: 1. भावनाओं का मजाक न उड़ाएं: आप उनका मजाक उड़ाएंगे तो वे प्यार करना नहीं, बल्कि आपसे बात करना छोड़ देंगे। फिर वे दोस्तों या सोशल मीडिया पर निर्भर हो जाएंगे और उसके खतरे आप समझते हैं। 2. सलाह से पहले उनकी सुनें: 'यह लड़का या लड़की कौन है?' इसके बजाय यह पूछें कि 'तुम्हें इसमें क्या अच्छा लगा?' या 'इस रिश्ते से तुम्हें कैसा महसूस होता है?' किसी लेक्चर की तुलना में इन सवालों से ज्यादा बातें सामने आएंगी। 3. आकर्षण और चरित्र का फर्क समझाएं: उनसे पूछें कि क्या वह इंसान दयालु, सम्मान देने वाला और ईमानदार है? क्या वो तुम्हें बेहतर बनने के लिए प्रोत्साहित करता है? स्वार्थी और उदार प्रेम के बीच स्टीनबेक ने जो फर्क बताया, वह 1958 की तुलना में आज के इंस्टाग्राम दौर में अधिक प्रासंगिक है। 4. उनकी डिजिटल लाइफ में दिलचस्पी लें: आजकल का रोमांस अधिकतर फोन पर ही होता है। इसलिए प्राइवेसी, ऑनलाइन मेनिपुलेशन, तस्वीरों की शेयरिंग, साइबर-बुलीइंग और डिजिटल फुटप्रिंट्स के हमेशा बने रहने के जोखिमों पर उनसे चर्चा करें। फंडा यह है कि जब प्यार आपके जीवन में दस्तक दे तो किसी 'वेल-रेड' व्यक्ति की तरह उसे शांति से संभालें। एन. रघुरामन

एआई को गढ़ने वाले मनुष्यता की कितनी समझ रखते हैं?

हमारे समय का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न अब यह नहीं रह गया है कि क्या एआई हमारी दुनिया को बदल देगा। वैसा तो वह पहले ही कर चुका है। लेकिन अब दुनिया को इस तकनीक के लिए एक 'मोरल-कम्पास' (नैतिक दिशानिर्देश) की जरूरत है। इसी सोच के साथ मैंने जिनेवा में आयोजित एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट में 170 देशों से आए 12,000 से अधिक प्रतिनिधियों के समक्ष 'कम्पैशनेट एआई' की बात रखी थी। यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि एआई केवल लाभ और शक्ति का माध्यम न बनकर व्यापक जनहित में योगदान दे, तो हमें एआई इंजीनियरों और डेवलपर्स को एक महीने के लिए उनकी प्रयोगशालाओं से बाहर भेजना चाहिए। उन्हें खदानों और कारखानों में काम करने वाले बच्चों से मिलना चाहिए, संघर्षों के कारण विस्थापित हुए परिवारों से भेंट करनी चाहिए और गरीबी, भेदभाव तथा सामाजिक बहिष्कार झेल रहे कमजोर समुदायों के बीच समय बिताना चाहिए। उन्हें उन लोगों के साथ चलना चाहिए, जिनका जीवन टेक्नोलॉजी से ज्यादा अन्याय से प्रभावित होता है। केवल एक महीने का ऐसा अनुभव भी किसी व्यक्ति की सोच बदल सकता है और वही इस बात को प्रभावित करेगा कि डेवलपर इस तकनीक को किस दिशा में ले जाते हैं। एआई पहले ही शिक्षा, हेल्थकेयर, बिजनेस, शासन और रिसर्च को नए रूप में ढाल रहा है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति एक नैतिक परीक्षा भी होती है और एआई अपवाद नहीं हैं। आज हमारे सामने सबसे बड़ा खतरा यह है कि हम सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न को ही भूल रहे हैं। और वो यह है कि आखिर

यह बुद्धिमत्ता किसकी सेवा के लिए है? यह सही है कि वैश्विक मंचों पर होने वाली अधिकांश चर्चाएं पहले ही नैतिक एआई और जिम्मेदार एआई जैसी अवधारणाओं पर केंद्रित हैं, लेकिन हमें बेहतर शासन-व्यवस्था, सार्थक जवाबदेही और प्रभावी रेगुलेशन की जरूरत है। नैतिकता ही हमें बता सकती है कि क्या सही है। कानून सीमाएं तय कर सकते हैं, लेकिन वे उन लोगों की सोच नहीं बदल सकते, जो अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाली तकनीकों का निर्माण कर रहे हैं। इसके लिए और गहरी वस्तु की आवश्यकता है, और वह है- करुणा। करुणा को अकसर सहानुभूति, दयालुता या परोपकार का पर्याय समझ लिया जाता है। लेकिन यह इनमें से किसी की भी समानार्थी नहीं है और न ही यह केवल एक भावना या कोई अमूर्त नैतिक आदर्श है। करुणा की शुरुआत तब होती है, जब हम किसी दूसरे व्यक्ति के दुःख को अपना मानते हैं। यही भावना हमें उसकी पीड़ा को कम करने के लिए कदम उठाने को प्रेरित करती है। इसमें कार्रवाई करने का साहस भी शामिल होता है। करुणा हमें केवल व्यवस्थाओं को अधिक सक्षम बनाने नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा की रक्षा करने की दिशा में भी ले जाती है। कम्पैशनेट एआई दूसरे फ्रैमवर्क्स से इसलिए अलग है, क्योंकि इसकी शुरुआत तकनीक नहीं, मानवता से होती है। यह पूछने से पहले कि कोई प्रणाली क्या कर सकती है, कम्पैशनेट एआई यह पूछता है कि वह किसके लिए काम करता है। अधिक दक्षता हासिल करने से पहले यह उसके मानवीय परिणामों पर विचार करता है। इनोवेशन का उत्सव मनाने से पहले यह पूछता है कि कहीं कोई पीछे तो नहीं छूट जाएगा। आज एआई की अनेक विफलताओं, जैसे पूर्वग्रह, भेदभाव, बहिष्कार, भ्रामक सूचना, पर्यावरणीय क्षति और बच्चों के कल्याण के लिए खतरे को अकसर प्रगति के दुर्भाग्यपूर्ण दुष्प्रभावों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन ये केवल दुष्प्रभाव नहीं हैं। ये इस बात के प्रमाण भी हैं कि जब इन प्रणालियों को विकसित किया गया, तब मनुष्यता के हित की बात करने वाला कोई न कोई व्यक्ति अनुपस्थित था, उसकी अनदेखी की गई थी या उसे नजरअंदाज कर दिया गया था। आज बड़े हो रहे बच्चे संभवतः अपने माता-पिता, शिक्षकों या पड़ोसियों की तुलना में इंटेलिजेंट मशीनों के साथ अधिक समय बिताएंगे। सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को तो हम पहले ही समझ चुके हैं। इसलिए हमें यह पूछने के बजाय कि एआई अर्थव्यवस्था को किस तरह बदल सकता है, यह पूछना चाहिए कि जब एल्गोरिदम किसी दूसरे व्यक्ति की पीड़ा को महसूस करने की मानवीय क्षमता की जगह ले लें, तो उसके क्या नतीजे होंगे। यदि उन्हें पीड़ा को पहचानने के लिए कभी तैयार ही नहीं किया गया, तो क्या वे न्याय की रक्षा कर पाएंगे? यदि उनका लक्ष्य केवल मुनाफे को बढ़ाना हो, तो क्या वे शांति पर जोर दे सकेंगे? ये नैतिक प्रश्न तकनीकी प्रश्नों से पहले पूछे जाने चाहिए, क्योंकि यही मानवता के भविष्य को आकार दे सकते हैं। एआई डेवलपरों को अपनी-अपनी प्रयोगशालाओं से निकलकर खदानों और कारखानों में काम करने वाले बच्चों से मिलना चाहिए, विस्थापित परिवारों से भेंट करनी चाहिए और गरीबी, भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार झेल रहे कमजोर समुदायों के बीच समय बिताना चाहिए। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट) कैलाश सत्यार्थी

रिपोर्ट-पुतिन को जंग खत्म करने पर सत्ता जाने का डर,इसके बिना लड़ाई रोकी तो उन्हें फांसी पर लटका दिया जाएगा

मॉस्को। रूस के ताकतवर लोगों में अब यह सवाल उठने लगा है कि करीब पांच साल तक एक बना हुआ है। रूस डोनबास को बेहद अहम मानता है और इन्हें छोड़ना नहीं चाहता। पुतिन

युद्ध लड़ने के बाद आखिर देश ने हासिल क्या किया। चिंता सिर्फ अर्थव्यवस्था या युद्ध के नतीजे की नहीं है, बल्कि लंबे समय से चल रहे इस युद्ध की कीमत को लेकर भी है। रिपोर्ट में रूस के एक ताकतवर व्यक्ति के हवाले से कहा गया कि वहां अब यह भावना बढ़ रही है कि 'राजा के पास कपड़े नहीं हैं।' यानी सत्ता की कमजोरियां अब पहले की तरह छिपी नहीं हैं और लोगों को दिखाई देने लगी हैं। फिर भी पुतिन की सत्ता पर पकड़ मजबूत है। रूस के पास युद्ध जारी रखने के लिए पैसा और विरोध को दबाने का मजबूत सिस्टम मौजूद है। लेकिन द इकोनॉमिस्ट के मुताबिक, राजनीति में हिंसा को लोग सह सकते हैं, लेकिन नाकामी को नहीं। डोनबास को लेकर रूस और यूक्रेन के बीच फंसा है मामला-रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच शांति समझौते में यह सबसे बड़ी अड़चनों में से पहले ही कह चुके हैं कि शांति समझौते के लिए यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले इलाकों पर अपना दावा छोड़ना होगा। साथ ही उसे इन इलाकों को रूस का हिस्सा मानना होगा। 2022 से जारी रूस-यूक्रेन जंग-रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है। रूस के पास यूक्रेन के करीब 20इ इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की थी। यह करीब 80 साल में किसी रूसी नेता की पहली अलास्का यात्रा थी।

ट्रम्प ने बोइंग डील के लिए बांग्लादेश को कहा शुक्रिया, पीएम से बोले- ये प्लेन आपको निराश नहीं करेंगे, मैं भी याद रखूंगा

वॉशिंगटन डीसी/ढाका।जब अमेरिका ने बांग्लादेश के सामान पर 37फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही, तो बांग्लादेश ने अमेरिका से ज्यादा सामान खरीदने की कोशिश शुरू की। इसी दौरान बोइंग से 25 विमान इनमें बोइंग विमान शामिल हैं। 5. चीनः मई 2026 में ट्रम्प ने कहा कि चीन 200 बोइंग विमान खरीदने की तैयारी कर रहा है। बाद में बोइंग ने भी इसकी पुष्टि की। 6. साउथ कोरियाः अगस्त 2025 में साउथ कोरिया ने 103

खरीदने की बात सामने आई। बाद में बांग्लादेश ने बोइंग के 14 विमानों का सौदा पक्का किया। इसकी कीमत करीब 3.7 अरब डॉलर है। इसमें 8 बोइंग 787-10, 2 बोइंग 787-9 और 4 बोइंग 737-8 मैक्स विमान शामिल हैं। पहला विमान नवंबर 2031 में मिलने की उम्मीद है। इस सौदे में अमेरिका का एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक भी मदद करेगा। बैंक लोन की व्यवस्था करेगा और बांग्लादेश सरकार इस लोन की गारंटी देगी। ट्रम्प के दौर में हुई बड़ी बोइंग डील- ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में बांग्लादेश के अलावा कम से कम 6 देशों ने अमेरिका से बोइंग के विमान खरीदने का ऐलान किया है। 1. सऊदी अरबः मई 2025 में ट्रम्प की सऊदी अरब यात्रा के दौरान सऊदी कंपनी एविलीज ने बोइंग के 20 विमान खरीदने का पक्का ऑर्डर दिया। कंपनी ने 10 और विमान खरीदने का विकल्प भी रखा। 2. कतरः मई 2025 में ट्रम्प की कतर यात्रा के दौरान कतर एयरवेज और बोइंग के बीच 210 विमानों तक का समझौता हुआ। व्हाइट हाउस ने इसे दोनों देशों के बीच बड़े आर्थिक समझौतों का हिस्सा बताया। 3. इंडोनेशियाः जुलाई 2025 में अमेरिका से 50 बोइंग विमान खरीदने का वादा किया। इसके बदले अमेरिका ने इंडोनेशियाई सामान पर टैरिफ में कटौती की। 4. जापानः जुलाई 2025 में अमेरिका-जापान व्यापार समझौते के तहत जापान ने 100 प्लेन खरीदने की बात कही। बोइंग विमान खरीदने का ऐलान किया। इसके बाद ट्रम्प ने उन पर लगा 25फीसदी टैरिफ घटाकर 10फीसदी कर दिया। ट्रम्प बोइंग विमान खरीदने पर क्यों जोर देते हैं-अमेरिका में बड़े यात्री विमान बनाने वाली मुख्य कंपनी बोइंग ही है। वहां दूसरी विमान कंपनियां भी हैं, लेकिन वे ज्यादातर सैन्य या छोटे विमानों के कारोबार में हैं। बड़े यात्री विमानों के मामले में बोइंग ही अमेरिका की बड़ी कंपनी है और उसका सबसे बड़ा मुकाबला यूरोप की एयरबस से है। ट्रम्प की व्यापार नीति का सबसे बड़ा मकसद ही यही है कि दूसरे देश अमेरिका से ज्यादा से ज्यादा सामान खरीदें। इससे अमेरिका का व्यापार घाटा कम हो सकता है और अमेरिकी कंपनियों को बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं।यहां बोइंग बहुत काम आती है, क्योंकि एक यात्री विमान की कीमत ही करोड़ों डॉलर होती है। अगर कोई देश 50, 100 या 200 विमान खरीदने का सौदा करता है तो अमेरिका से होने वाली खरीद का आंकड़ा एक झटके में अरबों डॉलर बढ़ जाता है। इसका फायदा सिर्फ बोइंग को नहीं मिलता। इनके निर्माण से वहां की फैक्ट्रियों, इंजीनियरों और दूसरे कामगारों को रोजगार मिलता है। उदाहरण के लिए, व्हाइट हाउस ने दक्षिण कोरिया की 103 बोइंग विमानों की डील को करीब 36.2 अरब डॉलर का बताया और कहा कि इससे अमेरिका में करीब 1.35 लाख नौकरियों को मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी एफआईआर की रद्द, नई एफआईआर भी दर्ज नहीं होंगी

कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का मार्च वापस लिया

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया है। यह आदेश देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज अंतरिम आवेदन का मतलब है कि किसी मामले की सुनवाई चल रही हो और उसके दौरान किसी खास मुद्दे पर तुरंत राहत या आदेश की मांग के लिए कोर्ट में अलग से अर्जी दी जाए। इस आवेदन में सरकार

मामलों पर लागू होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जिन प्रदर्शनकारियों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन पर केस चलता रहेगा। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर के मार्च को वापस ले लिया है। ये एफआईआर 20 से 25 जुलाई के बीच जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों के बाद दर्ज की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत लिया- सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर रद्द करने का फैसला सिर्फ इसी मामले के खास तथ्यों और हालात को देखकर लिया गया है, इसलिए इसे दूसरे मामलों के लिए उदाहरण और बाध्यकारी फैसला नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के तहत मिली अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल इस शर्त पर किया जा रहा है कि दोनों पक्ष कोर्ट के सामने हुए समझौते का पूरी तरह पालन करेंगे। सीजेआई सूर्यकांत ने सौरव दास की तारीफ की, कहा-आपने अच्छा कदम उठाया-लाइव लॉ के अनुसार रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट रूम में सीजेआई के प्रवक्ता सौरव दास भी मौजूद थे। वे बेंच के सामने पेश हुए और ग्रुप की तरफ से एक बयान पढ़ा- 'मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार के भरोसे पर आज लगी अदालती मुहर और ऑर्डर को देखते हुए हम 5 सितंबर का मार्च वापस ले रहे हैं।' सौरव के बयान के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- 'आपने भी बहुत अच्छा कदम उठाया है। एक संस्था के रूप में, हम आभारी हैं कि ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाया गया है जो युवाओं के लिए मददगार होगा।' जस्टिस सूर्यकांत चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया:- दोनों पक्ष सद्भावना दिखाएं, तो मुद्दों को एक-एक करके हल किया जा सकता है। दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जो इतना जटिल हो कि उस पर खुले दिमाग से चर्चा न की जा सके। सरकार ने सोमवार को दाखिल किया था अंतरिम आवेदन-सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली पुलिस के अंतरिम आवेदन पर सुनाया। ने कहा था कि 25 जुलाई के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस सीजेआई के प्रदर्शन से जुड़ी 13 एफआईआर को आगे नहीं बढ़ाना चाहती। यानी इन मामलों में पुलिस अब कार्रवाई जारी रखने के बजाय उन्हें खत्म करना चाहती है। कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा- यह फैसला छात्रों की जीत- कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, 'अगस्त की शुरुआत में सरकार के डेलिगेशन ने हमसे बात करना बंद कर दिया था, फिर हमें लगा कि ये विश्वासघात करना चाहते हैं, इसलिए हमने 5 सितंबर को मार्च निकालेंगे का फैसला किया। आज कोर्ट में सुनवाई हुई। पूरे देश में सारी एफआईआर को रद्दकर दिया है। यह ऐतिहासिक पल है।' कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा, 'यह छात्रों की जीत है। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के खिलाफ चल रहे सभी अन्यायपूर्ण मुकदमों को खारिज कर दिया है। हमारी मांगें सुनी गई हैं और अब किसी भी छात्र को आगे ऐसी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। इंकलाब जिंदाबाद।' 36 दिन चला था सीजेपी का आंदोलन, देश में कई एफआईआर हुईं- नीट पेपर लीक और दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया था। शुरुआत में आंदोलन जंतर-मंतर तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे इसे छात्रों और अलग-अलग संगठनों का समर्थन मिलने लगा। 28 जून को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी आंदोलन में शामिल हुए और अनशन शुरू किया। 20 जुलाई को सीजेपी ने 'चलो संसद' मार्च का ऐलान किया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े। दिल्ली पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पुलिस ने रोकने के लिए बल प्रयोग और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। 150 से ज्यादा लोग जख्मी हुए। इस दौरान दिल्ली समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हुए। पुलिस ने कई जगह एफआईआर दर्ज कीं। इस बीच सरकार से कई दौर की बातचीत हुई। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस्तीफा दिया। सीजेपी ने 36 दिन चला अपना आंदोलन खत्म कर दिया।

वाहन बीमा के नियमों में बदलाव, जानें जेब पर कितना पड़ेगा असर, नए इंश्योरेंस रूल्स के फायदे व नुकसान

जयपुर। अगर नई कार या बाइक खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने नए चार पहिया वाहनों के लिए 4 साल और नए दोपहिया वाहनों के लिए 6 साल का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस अनिवार्य करने का निर्देश दिया है। पहली नजर में यह बदलाव सिर्फ बीमा से जुड़ा लग सकता है, लेकिन इसका असर जेब और फाइनेंशियल प्लानिंग दोनों पर पड़ सकता है। इससे वाहन खरीदने की कुल लागत बढ़ सकती है। साथ ही लंबे समय तक मिलने वाले बीमा कवर पर भी इसका असर पड़ सकता है। इसलिए आज सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इसका वाहन मालिकों पर क्या असर पड़ेगा? वाहन बीमा लेते समय किन बातों पर ध्यान देना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: लोकेश माथुर, नेशनल हेड-क्लेम, स्क्वायर इंश्योरेंस ब्रोकर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- सुप्रीम कोर्ट ने वाहन बीमा को लेकर क्या आदेश दिया है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- सुप्रीम कोर्ट ने कारों और दोपहिया वाहनों के लिए अनिवार्य थर्ड पार्टी बीमा कवर की अवधि बढ़ाने का निर्देश दिया है। अब नई कारों को 4 साल और नई बाइक्स को 6 साल के थर्ड पार्टी बीमा कवर के साथ बेचा जाएगा। अदालत ने नए वाहनों के लिए लंबे समय तक थर्ड पार्टी बीमा कवर सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। अभी तक नई कार खरीदने वालों के लिए 3 साल और दोपहिया वाहन खरीदने वालों के लिए 5 साल का थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य था। कोर्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में बिना वैध बीमा के वाहन सड़कों पर चल रहे हैं। इसलिए बीमा की अवधि बढ़ाना जरूरी है। अदालत के अनुसार, इससे 'मोटर वाहन कानून' के तहत सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को मुआवजा मिलने में आसानी होगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नई कार और बाइक खरीदने वालों का शुरुआती खर्च बढ़ सकता है। हालांकि, इसे सिर्फ अतिरिक्त खर्च नहीं मानना चाहिए। कई वर्षों का बीमा कवर एक साथ पहले से मिलने पर फइनेंशियल प्लानिंग आसान होगी। सवाल- थर्ड पार्टी इंश्योरेंस क्या होता है? जवाब- अगर आपके वाहन से किसी व्यक्ति, उसके वाहन या उसकी संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, तो उसकी भरपाई बीमा कंपनी करती है। इसे थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कहते हैं। इसमें तीन पक्ष शामिल होते हैं, इसलिए इसे इसे थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कहा जाता है। फर्स्ट पार्टी: वाहन मालिक, जिसने बीमा लिया है। सेकेंड पार्टी: बीमा कंपनी, जो बीमा कवर देती है। थर्ड पार्टी: वह व्यक्ति, वाहन या संपत्ति, जिसे दुर्घटना में नुकसान पहुंचा है। उदाहरण के लिए- आपकी कार किसी बाइक से टकरा जाती है। इससे बाइक सवार घायल हो जाता है या उसकी बाइक को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में मुआवजा आपकी बीमा कंपनी देती है। हालांकि, इस बीमा में आपके अपने वाहन को हुए नुकसान का खर्च शामिल नहीं होता। इसके लिए अलग से कम्प्रेहेन्सिव इंश्योरेंस लेना पड़ता है। 'मोटर वाहन अधिनियम' के तहत भारत

बढ़ोतरी वाहन की बेस कीमत की वजह से नहीं होगी, बल्कि खरीद से जुड़े अनिवार्य खर्चों में बदलाव के कारण होगी। इसका वास्तविक असर वाहन के मॉडल, कीमत और इंश्योरेंस कैटेगरी के आधार पर अलग-अलग होगा। सवाल- क्या इस फैसले में सभी वाहनों के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस अनिवार्य है। सवाल- क्या पुरानी गाड़ियों पर भी यह नियम लागू होगा? जवाब- नहीं, सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश सिर्फ नए वाहनों पर लागू होगा। पुरानी गाड़ियों के लिए फिलहाल मौजूदा बीमा नियम ही लागू रहेंगे और उन्हें वैध इंश्योरेंस बनाए रखना होगा। सवाल- कोर्ट के इस फैसले का कार और बाइक मालिकों पर क्या असर पड़ेगा? जवाब- इससे नई गाड़ी खरीदने वालों को लंबी अवधि का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस लेना होगा। इससे उनकी लागत, बीमा रिन्यूअल और पॉलिसी प्रबंधन से जुड़ी स्थिति में बदलाव आएगा। दोनों पर क्या असर पड़ेगा, कोर्ट के वहां बीमा फैसले का असर:- खरीदते समय खर्च बढ़ सकता है। कार मालिकों पर 4 साल तक रिन्यूअल की जरूरत नहीं। पॉलिसी ले होने का रिस्क। शुरुआती लागत बढ़ सकती है। बाइक मालिकों पर बीमा नियमों का पालन आसान। 6 साल तक रिन्यूअल से राहत। बीमा भूलने की आशंका कम। बिना वैध बीमा वाहन चलाने का रिस्क कम.सवाल- क्या इस फैसले से बीमा प्रीमियम बढ़ सकता है? जवाब- हां, वाहन खरीदते समय बीमा पर एकमुश्त खर्च बढ़ सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सालाना प्रीमियम बढ़ गया है। खर्च इसलिए बढ़ेगा क्योंकि बीमा की अवधि लंबी हो जाएगी और उसका प्रीमियम अग्रिम रूप से जमा करना होगा। सवाल- क्या इस फैसले के बाद नई कार और बाइक खरीदना महंगा हो सकता है? जवाब- हां, लेकिन यह का असर सेकेंड-हैंड वाहनों के खरीदारों पर भी पड़ेगा? जवाब- सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश नए वाहनों के लिए है। हालांकि, सेकेंड-हैंड वाहन खरीदने वालों को यह जरूर चेक करना होगा कि वाहन का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस वैलिड है या नहीं। वाहन खरीदने के बाद बीमा पॉलिसी को नए मालिक के नाम ट्रांसफर कराना जरूरी है। अगर बीमा वैध नहीं है, तो वाहन का इस्तेमाल करने से पहले नया बीमा लेना पड़ सकता है। सवाल- लंबी अवधि का बीमा आपके फाइनेंशियल प्लान में कैसे मदद कर सकता है? जवाब- लंबी अवधि का बीमा भविष्य के एक जरूरी खर्च को पहले से तय कर देता है। इससे वाहन मालिकों को कई साल तक बीमा प्रीमियम के लिए अलग से बजट नहीं बनाना पड़ता। साथ ही हर साल प्रीमियम दरों में संभावित बदलाव का असर भी तुरंत नहीं पड़ता। इससे फाइनेंशियल गोल्स बनाना आसान हो सकता है। सवाल- 5 साल तक हर साल बीमा रिन्यू कराने और एक बार लंबी अवधि की पॉलिसी लेने में क्या फर्क है? जवाब- हर साल बीमा रिन्यू कराने पर शुरुआत में कम पैसे खर्च होते हैं, लेकिन भविष्य में प्रीमियम बढ़ने की चिंता बनी रहती है। वहीं, लंबी अवधि की पॉलिसी में शुरुआत में ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है, लेकिन कई साल तक बीमा रिन्यू कराने की चिंता नहीं रहती। सवाल- अगर वाहन का बीमा लैप्स हो जाए तो क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- बीमा लैप्स होने का मतलब है कि वाहन अब वैध बीमा कवर के दायरे में नहीं है। ऐसी स्थिति में सड़क पर वाहन चलाना कानून का उल्लंघन है। अगर दुर्घटना हो जाए तो थर्ड पार्टी को हुए नुकसान का मुआवजा वाहन मालिक को अपनी जेब से देना पड़ सकता है। साथ ही बीमा पॉलिसी दोबारा शुरू कराने के लिए अतिरिक्त औपचारिकताएं या ज्यादा प्रीमियम भी देना पड़ सकता है। सवाल- बीमा की वैधता कैसे चेक करें? जवाब- समय-समय पर पॉलिसी की वैधता जांचते रहने से बीमा लैप्स होने का रिस्क कम रहता है। खासतौर पर लंबी यात्रा पर जाने, वाहन खरीदने-बेचने या बीमा एक्सपायर होने की तारीख न याद होने पर यह जानकारी जरूर चेक कर लेनी चाहिए। सवाल- बिना बीमा वाहन चलाना कितना महंगा पड़ सकता है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- बिना वैध थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के वाहन चलाना कानूनन अपराध है। पहली बार पकड़े जाने पर 2,000 रुपए तक जुर्माना या 3 महीने तक की जेल या दोनों हो सकता है। दोबारा उल्लंघन करने पर जुर्माना राशि 4,000 रुपए तक पहुंच सकती है। दुर्घटना की स्थिति में थर्ड पार्टी को हुए नुकसान या मुआवजे का पूरा खर्च वाहन मालिक को अपनी जेब से उठाना पड़ता है। सवाल- वाहन बीमा में नो-क्लेम बोनस (एनसीबी) क्या होता है? जवाब- नो-क्लेम बोनस (एनसीबी) वाहन बीमा में मिलने वाली एक छूट है। अगर आप पॉलिसी अवधि के दौरान कोई बीमा क्लेम नहीं करते हैं, तो बीमा कंपनी रिन्यूअल के समय प्रीमियम के ओन-डैमेज (ओडी) हिस्से पर छूट देती है। यह छूट आमतौर पर 20फीसदी से शुरू होती है और लगातार 5 साल तक क्लेम न करने पर 50फीसदी तक पहुंच सकती है। ध्यान रखें कि अगर आपने पॉलिसी अवधि में क्लेम लिया है, तो आमतौर पर एनसीबी का लाभ अगले रिन्यूअल पर समाप्त हो जाता है। वहीं, पॉलिसी खत्म होने के बाद भी एनसीबी का लाभ 90 दिनों तक सुरक्षित रहता है। यदि इस अवधि में पॉलिसी रिन्यू नहीं कराई जाती, तो यह छूट खत्म हो सकती है। सवाल- वाहन बीमा लेते समय किन बातों पर ध्यान देना चाहिए? जवाब- पॉलिसी खरीदने से पहले यह समझना जरूरी है कि उसमें क्या कवर हो रहा है और क्या नहीं। इसके अलावा, बीमा कंपनियां कई तरह के एड-ऑन कवर भी देती हैं, जो अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। हालांकि, हर कंपनी के एड-ऑन कवर की शर्तें और सुविधाएं अलग हो सकती हैं। इसलिए कोई भी अतिरिक्त कवर लेने से पहले उसकी शर्तें जरूर पढ़नी चाहिए। नई कार या बाइक खरीदते समय अब सिर्फ डाउन पेमेंट, ईएमआई और माइलेज पर ध्यान देना काफी नहीं है। बीमा से जुड़े नियमों में हो रहे बदलावों को समझना भी उतना ही जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी कानूनी या वित्तीय परेशानी का सामना न करना पड़े।

5000 अमेरिकी सैनिक थाईलैंड पहुंचे, 5 दिन छुट्टियां मनाएंगे, 9 महीने से अब्राहम लिंकन पर तैनाती, देह व्यापार वाले इलाकों में जाने पर रोक

बैंकॉक। कारोबारियों को बड़ी कमाई की उम्मीद- अमेरिकी नौसैनिकों के पटाया पहुंचने से शहर के कारोबारियों को अच्छी

कमाई की उम्मीद है। करीब 5 हजार अमेरिकी जवानों के आने से होटल, रेस्तरां, बार, शॉपिंग और दूसरे पर्यटन कारोबारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ सकती है। खासकर नाइटलाइफ़ और मनोरंजन से जुड़े कारोबारियों को इसका सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय कारोबारियों के लिए यह ऐसे समय में बड़ा मौका है, जब पर्यटन कारोबार में पहले जैसी तेजी नहीं है। हजारों अमेरिकी जवान कुछ दिनों के लिए शहर में रहेंगे और इस दौरान खाने-पीने, होटल में ठहरने, घूमने-फिरने और मनोरंजन पर पैसा खर्च करेंगे। इससे छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े होटल और रेस्तरां तक कई तरह के कारोबारों को फायदा मिल सकता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक एक अमेरिकी नौसैनिक रोजाना करीब 1,000 (रु2800) से 3,000 (रु8500) थाई बाहत तक खर्च कर सकता है। इस हिसाब से अगर करीब 5 हजार नौसैनिक शहर में आते हैं तो उनके खर्च से स्थानीय कारोबार में करोड़ों थाई बाहत का पैसा आ सकता है। पटाया और अमेरिकी सेना का पुराना कनेक्शन- पटाया शहर का अमेरिकी सेना से रिश्ता 1960 और 1970 के दशक के वियतनाम युद्ध के समय से है। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिक छुट्टियां मनाने और आराम करने के लिए यहां आते थे। इससे स्थानीय होटल, बार, रेस्तरां और दूसरे कारोबार तेजी से बढ़े। धीरे-धीरे यह छोटा मछुआरा गांव दुनिया भर के पर्यटकों के बीच मशहूर शहर बन गया।यूएसएस अब्राहम लिंकन थाईलैंड क्यों आया? यूएसएस अब्राहम लिंकन हाल ही में वेस्ट एशिया में अपनी लंबी तैनाती पूरी करके लौटा है। यह अमेरिकी नौसेना का परमाणु ऊर्जा से चलने वाला विमानवाहक पोत है। जहाज ने नौ महीने से ज्यादा समय समुद्र में बिताया। इस दौरान ईरान के साथ बढ़े तनाव के बीच यह वेस्ट एशिया में अमेरिकी सेना के कई अभियानों में शामिल रहा। इतने लंबे समय तक समुद्र में रहने से जहाज पर तैनात नौसैनिकों के लिए भी काफी मुश्किलें रहीं। उनकी मानसिक सेहत और जहाज पर रहने की परिस्थितियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। अब थाईलैंड में पांच दिन के ठहराव के दौरान जहाज में जरूरी सामान भरा जाएगा और रखरखाव का काम होगा। साथ ही हजारों नौसैनिकों को लंबे समय बाद कुछ दिन आराम करने और पटाया घूमने का मौका मिलेगा।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेशः- महुआ के साथ 30 दिन 2 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात, कहा- एक सांसद के लिए सिक्योरिटी कवर जरूरी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा के लिए 2 पुलिसकर्मी

तैनात करने का आदेश दिया। ये जवान अगले 30 दिन तक उनके कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र के दौरों में साथ रहेंगे। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच ने कहा कि भीड़ द्वारा परेशान किए जाने के आरोपों को देखते हुए सांसद को सुरक्षा देना जरूरी है। 30 दिन बाद राज्य सरकार रिपोर्ट देगी। मामले की अगली सुनवाई 1 अक्टूबर को होगी। महुआ के वकील कल्याण बंदोपाध्याय ने कहा कि वे अपने क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से नहीं जा पा रही हैं और सांसद के तौर पर काम करने में भी परेशानी हो रही है। सुनवाई में 1 जुलाई की घटना का जिक्र- महुआ के वकील बंदोपाध्याय ने कहा कि 1 जुलाई को कालीगंज में भीड़ ने महुआ पर अंडे, आलू, टमाटर और पत्थर फेंके। उनका आरोप है कि पुलिस को पहले से जानकारी थी, फिर भी समय पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बार-बार होंगी तो महुआ सांसद के तौर पर काम कैसे करेंगी। उन्होंने कहा कि सांसद का अपने क्षेत्र में जाना जरूरी है। वकील ने महुआ के फेसबुक लाइव का भी हवाला दिया, जिसमें घटना दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस और डीजीपी को पहले ही जानकारी दी गई थी, लेकिन पुलिस करीब तीन घंटे बाद पहुंची। महुआ के वकील ने पुराने आदेश का हवाला दिया- बंदोपाध्याय ने जून 2026 के कोर्ट आदेश का हवाला देते हुए कहा कि हर व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य की है। उन्होंने कहा कि आदेश में डीजीपी को निर्देश दिए गए थे, लेकिन अगले ही दिन महुआ के साथ घटना हो गई। कोर्ट ने पूछा कि अगर सांसद के साथ ऐसी घटना हो सकती है, तो दूसरे राजनीतिक लोगों की सुरक्षा का क्या होगा। वकील ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और कानून से नीचे भी कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि महुआ को अपने क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से जाने के लिए सुरक्षा जरूरी है। अगर महिला सांसद के साथ ऐसा हो रहा है, तो आम लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। बंगाल सरकार ने कहा- तीनों शिकायतों पर एफआईआर दर्ज- बंगाल सरकार के वकील राजदीप मजूमदार ने कहा कि महुआ मोइत्रा ने तीन शिकायतें दर्ज कराई थीं। पुलिस ने तीनों पर कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की है।

मौनी रॉय ने बताया पहला रोल मिलने का किस्सा,सड़क पर चलते हुए 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिला था मौका

मुंबई। एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में बताया कि उन्हें पहले टीवी शो में रोल सड़क पर चलते हुए मिला था। मौनी ने फराह खान के व्लॉग के लिए हुई बातचीत में बताया कि उन्होंने टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कृष्णा तुलसी का किरदार निभाकर डेब्यू किया था। हाल ही में फराह खान मौनी के मुंबई स्थित घर पहुंची थीं, जहां एक्ट्रेस ने अपने पहले एक्टिंग मौके से जुड़ी बातें शेयर कीं। मौनी ने बताया कि वह अपनी यूनिवर्सिटी के बाहर पैदल चल रही थीं, तभी प्रोड्यूसर एकता कपूर की टीम के किसी व्यक्ति ने उन्हें देखा। फराह यह सुनकर हैरान रह गईं। उन्होंने कहा, 'सच में ऐसा हुआ था? क्या बात कर रही है? हम तो ऐसी कहानियां ही सुनते हैं कि कोई कैफे में बैठा था और किसी ने उसे देख लिया।' मौनी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, 'लेकिन यह सच में हुआ था। बिल्कुल इसी तरह यह मौका मिला था। यह शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' था।' कृष्णा तुलसी का किरदार और कहानी- मौनी ने यह भी बताया कि शो में कृष्णा तुलसी की कहानी दिलचस्प थी और उनके आने से तुलसी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया था। कृष्णा तुलसी के किरदार को एक अनाथ बच्ची के रूप में दिखाया गया था। शो

में तुलसी का किरदार स्मृति ईरानी ने निभाया था। जब तुलसी अपनी जान कुर्बान करने के लिए खुद को गंगा नदी में समर्पित करने का फैसला करती है, तब उसे गंगा में तैरती हुई यह बच्ची मिलती है। इसके बाद इस किरदार का नाम तुलसी के नाम पर कृष्णा तुलसी रखा गया था। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मौनी रॉय की जोड़ी पहले पुलकित सम्राट के साथ बनाई गई थी। बाद में शो में उनकी जोड़ी आकाशदीप सहगल के साथ भी दिखाई गई। इस शो के बाद मौनी ने कई लोकप्रिय टीवी शो में काम किया। उनके प्रमुख प्रोजेक्ट्स में 'देवों के देव महादेव' शामिल है, जिसमें उन्होंने सती का किरदार निभाया था। मौनी ने 'नागिन' के दो सीजन में भी काम किया। इसमें उन्होंने रूप बदलने वाली नागिनों शिवन्या और शिवांगी के किरदार निभाए थे। एकता कपूर ने कई कलाकारों को मौका दिया- गौरतलब है कि एकता कपूर ने टीवी इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया है, जिन्होंने आगे चलकर बड़ा नाम बनाया। उन्होंने जैसा मौका सड़क पर चलते हुए मौनी रॉय को दिया था, वैसा ही कुछ करण कुंद्रा के साथ फेसबुक के जरिए किया था। एकता कपूर ने खुद बताया था कि उन्होंने करण कुंद्रा को कैसे डिस्कवर किया था। करण कुंद्रा एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे और जालंधर में अपना पारिवारिक बिजनेस संभाल रहे थे। उन्होंने फेसबुक पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। एकता कपूर की नजर उनकी फेसबुक प्रोफाइल पर पड़ी। उन्हें करण का लुक और एटीट्यूड इतना पसंद आया कि उन्होंने उन्हें मुंबई बुला लिया। इसके बाद एकता ने उन्हें साल 2009 में अपने बड़े शो 'कितनी मोहब्बत है' में 'अर्जुन पुंज' का मुख्य किरदार देकर लॉन्च किया। सुशांत को एकता ने नाटक के दौरान देखा था- वहीं, एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को एकता कपूर ने बालाजी के एक नाटक के दौरान बैकग्राउंड में देखा था। चैनल वाले सुशांत को 'पवित्र रिश्ता' में 'मानव' के लीड रोल के लिए रिजेक्ट कर रहे थे क्योंकि उनका लुक हीरो जैसा नहीं लग रहा था, लेकिन एकता अपनी जिद पर अड़ गईं और कहा, 'इस लड़के की मुस्कान करोड़ों दिलों को जीतेगी।' और वैसा ही हुआ। स्मृति ईरानी को 'मिस इंडिया' प्रतियोगिता में रिजेक्ट कर दिया गया था। जब वह बालाजी के दफ्तर में किसी और रोल के लिए आई थीं, तो एकता कपूर ने उन्हें सिर्फ चलते हुए देखा और अपनी टीम से कहा, 'यह लड़की हमारी अगली बड़ी स्टार 'तुलसी' बनेगी।' टीम के मना करने के बावजूद एकता ने उन्हें कास्ट किया।

एक्ट्रेस साधना ने 1 रुपए से शुरू की थीं एक्टिंग,आखिरी दिनों में आर्थिक तंगी से जूझीं-'साधना कट' से देशभर में छाईं

मुंबई। हिंदी सिनेमा के 60 और 70 के दशक में एक ऐसी अभिनेत्री आईं, जिन्होंने अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्टाइल से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। नाम था साधना शिवदासानी। कभी उनकी फिल्में हिट होती थीं और उनका हेयरस्टाइल पूरे देश में ट्रेंड करता था, लेकिन जिंदगी के आखिरी दौर में उन्हें बीमारी, आर्थिक तंगी और अकेलेपन का सामना करना पड़ा।साधना का जन्म 2 सितंबर 1941 को ब्रिटिश इंडिया के कराची में एक सिंधी परिवार में हुआ था। 1947 के बंटवारे के बाद उनका परिवार भारत आकर मुंबई में बस गया। बचपन से ही साधना अभिनेत्री बनना चाहती थीं। करीब 14 साल की उम्र में उन्हें राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' में काम करने का मौका मिला, जहां वह गाने 'मुड मुड के' में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर नजर आई थीं। 1 रुपए की फीस से फिल्मी सफर शुरू हुआ-साधना का एक्टिंग करियर फिल्म 'अबाना' से शुरू हुआ। जो भारत की पहली सिंधी फिल्म थी। यह फिल्म 1958 में रिलीज हुई थी। बताया जाता है कि इस फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 1 रुपए की फीस मिली थी। यही छोटी सी फीस आगे चलकर उनके बड़े फिल्मी सफर की शुरुआत बनी।'लव इन शिमला' ने बदली किस्मत-साधना को खास पहचान 1960 में आई फिल्म 'लव इन शिमला' से मिली थी। आर.के. नय्यर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वह जॉय मुखर्जी के साथ लीड रोल में थीं। फिल्म सफल रही और साधना रातोंरात स्टार बन गईं। फिल्म

में उनका फ्रिंज हेयरस्टाइल इतना लोकप्रिय हुआ कि आगे चलकर इसे 'साधना कट' के नाम से जाना गया। ऑड्री हेपबर्न से प्रेरित इस लुक को आम महिलाओं ने भी खूब अपनाया। चूड़ीदार सलवार सूट के चलन को लोकप्रिय बनाने का श्रेय भी साधना को दिया जाता है। इसके बाद साधना ने 'परख', 'हम दोनों', 'मन-मौजी', 'एक मुसाफिर एक हसीना', 'मेरे महबूब' और 'इंतकाम' जैसी फिल्मों में काम किया। 1960 के दशक में उनकी 19 फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें 11 फिल्में हिट थीं और इस तरह वह हिंदी सिनेमा की बड़ी स्टार बन गईं। निर्देशक से हुआ प्यार, 1966 में शादी- 'लव इन शिमला' के सेट पर साधना को डायरेक्टर आर.के. नय्यर से प्यार हो गया। दोनों ने 1966 में शादी कर ली। शादी के बाद भी साधना ने फिल्मों में काम जारी रखा। हालांकि बाद के वर्षों में उनकी जिंदगी मुश्किलों से घिरने लगी।1960 के दशक के आखिर में साधना हाइपरथायरॉइडिज्म की समस्या से जूझने लगीं। इलाज के कारण उन्हें फिल्मों से दूरी बनानी पड़ी और कई बड़े प्रोजेक्ट उनके हाथ से निकल गए। बाद में उन्होंने 'इंतकाम' और 'एक फूल दो माली' जैसी फिल्मों से वापसी की, लेकिन 1970 के दशक में उनके फिल्मी ऑफर कम होते गए। उन्होंने 1974 में 'गीता मेरा नाम' से निर्देशन में भी हाथ आजमाया। धीरे-धीरे वह फिल्मों और सार्वजनिक जीवन से दूर हो गईं। पति की मौत के बाद बढ़ा अकेलापन-1995 में आर.के. नय्यर का निधन हो गया। दोनों की कोई संतान नहीं थी। पति के जाने के बाद साधना काफी अकेली पड़ गईं। उनकी सेहत भी लगातार खराब होती रही। आंखों की समस्या और थायरॉयड जैसी परेशानियों के कारण उनका घर से बाहर निकलना कम हो गया। हालांकि, उनके आखिरी साल कानूनी विवादों से भी घिरे रहे। साधना से जुड़े तीन मामले सामने आए। इनमें एक मामला उनके सांता क्रूज स्थित बिल्डिंग के मकान मालिक यूसुफ लकड़ावाला ने किया था। एक मामला साधना ने उन्हीं के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराया था। इसके बाद विवाद से जुड़ा मानहानि का मामला भी सामने आया। उस समय साधना आर्थिक और शारीरिक परेशानियों से जूझ रही थीं। उनके लिए इलाज और कानूनी खर्च उठाना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने मदद की अपील भी की, लेकिन उन्हें अपेक्षित सहारा नहीं मिला। बाद के समय में वहीदा रहमान, नंदा, आशा पारेख और हेलन जैसी उनकी समकालीन अभिनेत्रियां उनके करीब रहीं और उन्हें इमोशनली सहारा देती थीं। इसके बावजूद साधना का आखिरी दौर काफी अकेलेपन में बीता। 25 दिसंबर 2015 को मुंबई के एक अस्पताल में बीमारी के बाद साधना का निधन हो गया।

पति अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से बात करते हैं, क्या एक्स से दोस्ती नॉर्मल है या दोनों के बीच कुछ चल रहा है

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी शादी को दो साल हुए हैं। कुछ दिन पहले मुझे पता चला कि मेरे पति आज भी अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड से बात करते हैं। वे कहते हैं कि रिश्ता तो खत्म हो गया, लेकिन अब वो दोनों अच्छे दोस्त हैं। वो एक-दूसरे को बर्थ-डे विश करते हैं और एक-दूसरे की सोशल मीडिया पोस्ट पर कमेंट भी करते हैं। मुझे यह बात अजीब लगती है। मैं जब उनसे पूछती हूं कि कहते हैं कि अगर उन्हें कुछ गलत करना होता तो मुझसे यह बात छिपा लेते। मैं भरोसा करना चाहती हूं, लेकिन मन में डर बना रहता है। क्या शादी के बाद अपने एक्स से दोस्ती रखना नॉर्मल बात है? मैं इसे कैसे देखूं? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। देखिए, शादी के बाद एक्स से दोस्ती अपने आप में गलत नहीं है। शादी के बाद किसी पुराने साथी से संपर्क में रहना अपने आप में बेवफाई नहीं है। कई बार लोग पुराने रिश्ते से भावनात्मक रूप से आगे बढ़ चुके होते हैं। इसके बाद भी सामान्य दोस्ती और संवाद बनाए रखते हैं। इसमें कुछ भी अजीब या एबनॉर्मल नहीं है। लेकिन हर रिश्ते की सीमा अलग होती है। इसलिए सवाल सिर्फ यह नहीं है कि पति एक्स से बात कर रहे हैं या नहीं। असली सवाल ये है कि वे किस तरह की बात करते हैं, कितनी बार करते हैं और उस रिश्ते की जगह उनकी शादी में कितनी है। अगर बातचीत सामान्य है, छिपाकर नहीं की जा रही है और उसमें भावनात्मक या रोमांटिक जुड़ाव नहीं है, तो इसे दोस्ती के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन अगर एक्स से बात करने के लिए पति आपसे बातें छिपाने लगें, लगातार उसी से भावनाएं साझा करें या आपकी तुलना उससे करें तो यह चिंता की बात हो सकती है। एक्स से दोस्ती कब नॉर्मल? बातचीत सामान्य और सीमित हो। रोमांटिक भावनाएं न हों। एक्स से जुड़ी बातों में गोपनीयता न हो। बातचीत छिपकर न की जाए। पति-पत्नी के रिश्ते पर असर न पड़े। मौजूदा रिश्ते को प्रिऑरिटी मिले। आधी-अधूरी जानकारी से निष्कर्ष न निकालें-जैसा कि आपने अपने सवाल में लिखा है कि दोनों एक-दूसरे को बर्थडे विश करते हैं, सोशल मीडिया पोस्ट पर लाइक-कमेंट करते हैं। लेकिन जरा सोचिए, किसी को जन्मदिन की बधाई देना या सोशल मीडिया पर कमेंट करना भावनात्मक संबंध का प्रूफ नहीं है। मनोविज्ञान के नजरिए से कहूं तो समस्या तब बढ़ती है, जब हम अधूरी जानकारी से पूरा निष्कर्ष निकाल लेते हैं। आपके मन में यह विचार आ सकता है कि अगर वे आज भी बात करते हैं तो शायद उनके मन में अभी भी प्यार है। लेकिन ऐसा होना जरूरी नहीं है। इसलिए पहले बात को पूरी तरह समझने की कोशिश करें और इन पहलुओं पर गौर करें- किन बातों पर गौर करना चाहिए? सिर्फ यह न देखें कि वे बात करते हैं या नहीं। ये देखें कि- बातचीत कितनी बार होती है? किस तरह की बातें क्या ये होती हैं? बात छिपाकर होती है? क्या फोन को लेकर बहुत सतर्कता है? क्या एक्स से निजी बातें शेयर होती हैं? क्या आपकी तुलना एक्स से की जाती है? रिश्ते में भरोसा एक वाक्य, एक शब्द नहीं- आपके पति का यह कहना कि 'अगर मुझे कुछ गलत करना होता तो मैं बात छिपा लेता,' भी एक बात की ओर इशारा करता है। संभव है कि वे इस संपर्क को सामान्य मानते हों। हालांकि केवल इस बात से भी पूरी तरह भरोसा करना जरूरी नहीं है। भरोसा एक वाक्य से नहीं बनता। यह कोई अंधा विश्वास भी नहीं है। भरोसा लगातार होने वाले व्यवहार से बनता है। एक स्वस्थ रिश्ते में भरोसा अंधा विश्वास नहीं होता। भरोसा पारदर्शिता, सम्मान और लगातार एक जैसा व्यवहार देखकर बनता है। साथी की चिंता को सुनना और उसकी भावनाओं को जगह देना ही रिश्ते को मजबूत करता है। आपकी फिक्र भी गैरवाजिब नहीं- यह भी जरूरी है कि आप अपनी भावनाओं को सिर्फ इसलिए गलत न मानें क्योंकि पति कह रहे हैं कि कुछ गलत नहीं है। अपने डर को समझें, स्वीकार करें और फिर फैक्ट्स के आधार पर उसे परखें। कई बार पुराने रिश्ते का नाम ही मौजूदा साथी के मन में असुरक्षा पैदा कर देता है। मन में कई तरह के सवाल आने लगते हैं- 'अगर वह इतनी अच्छी दोस्त है तो रिश्ता क्यों खत्म हुआ?' 'क्या दोनों के बीच फिर से कुछ हो सकता है?' 'क्या मैं उसके मुकाबले कम महत्वपूर्ण हूं?' ऐसे सवाल सामान्य मानवीय असुरक्षा से पैदा हो सकते हैं। इन्हें दबाने के बजाय इन्हें समझना जरूरी है। असुरक्षा महसूस होने का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि सामने वाला गलत है। कई बार पुराना रिश्ता हमारे मन में तुलना और खोने का डर पैदा करता है। इसलिए पहले अपनी भावनाओं को समझें, फिर साथी के व्यवहार को देखें। पति से सवाल-जवाब नहीं, संवाद करें-इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि कपल के बीच बातचीत आरोपों से शुरू न हो। इस तरह की बातें न कहें, जैसे कि- 'तुम अभी भी उससे प्यार करते हो?' 'तुम मुझे धोखा तो नहीं दे रहे?' 'तुम्हें उससे बात करने की जरूरत ही क्यों है?' ऐसे सवाल सामने वाले को डिफेंसिव बना सकते हैं। इसकी बजाय अपनी भावनाएं शेयर करें। आप कह सकती हैं- 'मुझे परेशानी एक्स से तुम्हारी दोस्ती से नहीं है। इस बात से है कि मुझे नहीं पता इस रिश्ते की सीमा क्या है। इससे मुझे असुरक्षा महसूस होती है। मैं चाहती हूं कि हम दोनों मिलकर ऐसी सीमाएं तय करें, जिनसे हम रिश्ते में ज्यादा सेफ महसूस करें।' शादी में बाउंड्री तय करना जरूरी-हर शादी में कुछ सीमाएं होती हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि दोनों लोगों की सीमाएं एक जैसी हों। आपके लिए एक्स से निजी बातचीत असहज हो सकती है। पति के लिए यह सामान्य दोस्ती हो सकती है। इस अंतर का मतलब यह नहीं कि किसी एक की सोच गलत है। दोनों को मिलकर बीच का रास्ता निकालना होगा। उदाहरण के लिए, यह तय किया जा सकता है कि पर्सनल बातें एक्स से शेयर नहीं की जाएंगी। देर रात बात नहीं होगी। कोई ऐसी बात नहीं होगी, जिसे पार्टनर से छिपाना पड़े। बाउंड्री का मतलब साथी को कंट्रोल करना नहीं है। बाउंड्री का मतलब है कि दोनों मिलकर तय करें कि रिश्ते में कौन सा व्यवहार दोनों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक है। एक्स से दोस्ती की जरूरी सीमाएं:- निजी बातें शेयर न की जाएं। मैरिटल डिटेल्स शेयर न की जाएं। जानबूझकर बातें न छिपाई जाएं। फ्लर्ट या रोमांटिक बातचीत न हो। देर रात पर्सनल बातचीत न हो। पार्टनर की फीलिंग्स इग्नोर न हों। शादी की जरूरतें प्रिऑरिटी पर हों। कब चिंता करना जरूरी? अगर पति आपकी चिंता समझने के बजाय लगातार उसे खारिज करते हैं, तो यह गंभीर बात है। खासकर तब, जब उनके व्यवहार में बदलाव भी दिखाई दे। जैसे फोन छिपाना, चैट डिलीट करना, पासवर्ड बदलना या आपके साथ भावनात्मक दूरी बढ़ना। ऐसी में समस्या सिर्फ एक्स नहीं है। समस्या विश्वास और पारदर्शिता की है। इसके उलट अगर पति खुलकर बताते हैं कि क्या बातचीत हुई, आपकी परेशानी सुनते हैं और आपको भरोसा दिलाने के लिए व्यवहार में भी पारदर्शिता रखते हैं, तो असुरक्षा की भावना धीरे-धीरे कम हो सकती है। अंत में सबसे जरूरी बात-आपको न तो तुरंत यह मानने की जरूरत है कि पति आपको धोखा दे रहे हैं। न ही अपनी बेचैनी को पूरी तरह दबाने की जरूरत है।आप पहले उनके व्यवहार को देखें। फिर अपनी भावनाओं को समझें।उसके बाद दोनों मिलकर रिश्ते की सीमाएं तय करें। शादी में भरोसे का मतलब यह नहीं कि पार्टनर के जीवन में कोई पुराना व्यक्ति कभी मौजूद हो ही नहीं सकता। भरोसे का मतलब है कि पुराने रिश्तों के बावजूद वर्तमान रिश्ते को प्रिऑरिटी, सम्मान और सुरक्षा मिले।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए नेपाल पहुंचे सोनू सूद,भारत से लाए कंबल और राशन, बोले- अगले कई महीनों तक मदद जारी रखेंगे

काठमांडू। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद नेपाल में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद

के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। उनकी संस्था 'सूद चैरिटी फाउंडेशन' की टीम भारत से कंबल, राशन और अन्य जरूरी सामान लेकर नेपाल पहुंची है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में सोनू सूद ने कहा कि उनकी टीम प्रभावित परिवारों को फिर से स्थापित करने के लिए आने वाले कई महीनों तक लगातार राहत सामग्री भेजती रहेगी। नेपाल में आई इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 900 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। भारत से भेजा राहत सामान सोनू सूद ने बताया कि उनकी टीम जमीनी स्तर पर जिलों में सेना और स्थानीय प्रशासन का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वहीं नेपाल में स्थित भारतीय दूतावास ने बाढ़ में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के शवों की पहचान के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। कोविड लॉकडाउन में बने थे मजदूरों के मददगार सोनू सूद का आपदाओं और संकट में लोगों की मदद करने का सिलसिला साल 2020 में कोरोना महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के समय शुरू हुआ था। उस समय मुंबई में फंसे हजारों प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड आदि) भेजने के लिए सोनू ने बसों, ट्रेनों और विशेष फ्लाइट्स का इंतजाम

किया था। उन्होंने प्रवासियों के खाने-पीने से लेकर रास्ते के पूरे खर्च की जिम्मेदारी उठाई थी। इसके बाद से ही वे लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। यूक्रेन संकट तक पहुंचाई सहायता कोरोना की दूसरी लहर के दौरान सोनू सूद ने देशभर में ऑक्सीजन सिलेंडर, कंसंट्रेटर और अस्पताल में आईसीयू बेड्स उपलब्ध कराने के लिए दिन-रात काम किया था। इसके बाद साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के समय उन्होंने यूक्रेन में फंसे कई भारतीय छात्रों को रोमानिया और पोलैंड की सीमाओं के रास्ते सुरक्षित भारत लाने में मदद की थी। सोनू अपनी फाउंडेशन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की पढ़ाई, मुफ्त मेडिकल सर्जरी और हादसों के शिकार लोगों की आर्थिक मदद लगातार करते आ रहे हैं।

अभिषेक के लिए ऐश्वर्या राय ने ठुकराई थी फिल्म,शाहरुख की 'हैप्पी न्यू ईयर' से कमबैक करने वाली थीं, पत्नी के तौर पर फैसला लिया था

मुंबई। एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' के लिए

डायरेक्टर फराह खान की पहली पसंद बताया जाता है। हालांकि, बेटी आराध्या को जन्म देने के बाद फिल्मों में वापसी कर रहीं ऐश्वर्या ने इस फिल्म को ठुकरा दिया था। फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी जोड़ी बननी थी, जबकि उनके पति अभिषेक बच्चन भी फिल्म का हिस्सा थे। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन स्टारर 'हैप्पी न्यू ईयर' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। ऐश्वर्या ने फिल्म इसलिए नहीं की क्योंकि उन्हें लगा कि फिल्म में वह और अभिषेक एक-दूसरे के साथ कास्ट नहीं होंगे और अलग-अलग कलाकारों के साथ उनकी जोड़ी बनने से स्क्रीन पर अजीब स्थिति पैदा हो सकती है। एक पुराने इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया था कि उन्हें यह फिल्म फिल्मों से ब्रेक के बाद वापसी के लिए बिल्कुल सही लगी थी। 2018 में पत्रकार राजीव मसंद से बातचीत में उन्होंने कहा था कि बड़े ब्लॉकबस्टर और तय बॉक्स ऑफिस वाली ऐसी फिल्म उनके लिए बेहतरीन वापसी हो सकती थी। हालांकि, फिल्म में अभिषेक के पहले से होने की वजह से ऐश्वर्या को इसकी कास्टिंग का डायनेमिक सही नहीं लगा। उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें व्यक्तिगत तौर पर फिल्म ऑफर की जाती तो वह जरूर करतीं, लेकिन अभिषेक के साथ फिल्म में अलग-अलग कलाकारों के साथ जोड़ी बनाना ठीक नहीं लगता। ऐश्वर्या ने माना था कि एक प्रोफेशनल और एक्टर के तौर पर ऐसी फिल्म छोड़ना आसान नहीं था, लेकिन पत्नी के तौर पर उन्होंने यह फैसला लिया। एक अन्य बातचीत में एनडीटीवी से ऐश्वर्या ने कहा था कि उन्हें फिल्म काफी मजेदार लगी थी और उन्हें पता था कि इसकी शूटिंग का अनुभव अच्छा रहेगा, लेकिन फिल्म में उनके और अभिषेक के एक-दूसरे के साथ जोड़ी न बनने की वजह से उन्होंने इसे ठुकरा दिया। ऐश्वर्या ने और कौन-सी फिल्में ठुकराईं- 'हैप्पी न्यू ईयर' के अलावा ऐश्वर्या को कई सफल फिल्मों के ऑफर मिलने की रिपोर्ट्स सामने आती रही हैं। इनमें 'ट्रॉय', 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.', 'भूल भुलैया', 'कृष' और 'बाजीराव मस्तानी' शामिल हैं। हालांकि, इन फिल्मों को ठुकराने की वजहों से जुड़ी बातें ऐश्वर्या ने खुद कंफर्म नहीं की हैं। अभिषेक-ऐश्वर्या के तलाक की अफवाहें सामने आई थीं-अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के तलाक की अफवाहें साल 2024 में काफी चर्चा में रही थीं। इन अफवाहों को तब हवा मिली, जब जुलाई 2024 में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अभिषेक पूरे बच्चन परिवार के साथ पहुंचे थे। वहीं, ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या के साथ अलग नजर आई थीं। इसके बाद ऐश्वर्या को पेरिस फैशन वीक और दूसरे इवेंट्स में भी सिर्फ आराध्या के साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर अभिषेक का एक डीपफेक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वह तलाक का ऐलान करते दिख रहे थे। इससे अफवाहों को और बढ़ावा मिला। हालांकि, लंबे समय तक चुप रहने के बाद अभिषेक ने इन खबरों पर नाराजगी जताई थी। दिसंबर 2025 में पीपिंग मून से बातचीत में अभिषेक ने कहा था, 'अगर आप एक पब्लिक फिगर हैं, तो लोग आपकी हर छोटी बात पर अपनी राय बनाएंगे। हमारे बारे में जो भी गलत बातें लिखी गई हैं, वे पूरी तरह झूठी हैं। उनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है। ये बातें गलत हैं और जानबूझकर दुख पहुंचाने वाली हैं।' उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें उनकी शादी के बाद शुरू नहीं हुई थीं, बल्कि शादी से पहले से ही चल रही थीं। अभिषेक ने कहा, 'शादी से पहले लोग हमारी शादी की तारीखें बताने लगे थे। शादी के बाद लोग यह तय करने लगे कि हम कब अलग होंगे। ये सब बकवास है। वह मेरी सच्चाई जानती हैं और मैं उनकी सच्चाई जानता हूं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।